धींधवाल पब्लिकेशन

DHP-21

Dhindhwal Publication

Lead, Read and Achieve

धींधवाल 50/50

एकजाम रिव्यू

7 संभागों व
41 जिलों के अनुसार

द्वितीय संशोधित संस्करण

राजस्थान कला एवं संस्कृति

राज्य में आयोजित होने वाली सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अत्यंत उपयोगी पुस्तक

RAS, CET, कॉलेज व्याख्याता, स्कूल व्याख्याता, शिक्षक ग्रेड-II, शिक्षक ग्रेड-III, REET, H.M., पुलिस उपनिरीक्षक, पटवार, ग्रामसेवक, सहायक कारापाल, जेल प्रहरी, महिला पर्यवेक्षक, कृषि पर्यवेक्षक, पशुधन सहायक, पुस्तकालयाध्यक्ष, संगणक, पुलिस कांस्टेबल, वनपाल, वनरक्षक, स्टेनोग्राफर, लेब अ[illegible]आए हुए प्रश्न।

सभी आवश्यक प्रश्नों की व्याख्या सहित

धींधवाल पब्लिकेशन

परीक्षा में सफलता हेतु इन पुस्तकों का अध्ययन करें

हमारे प्रकाशन की अन्य पुस्तकें

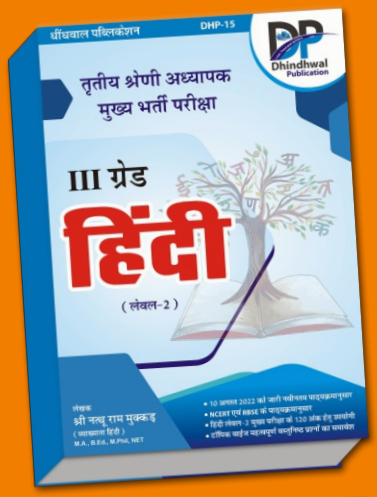

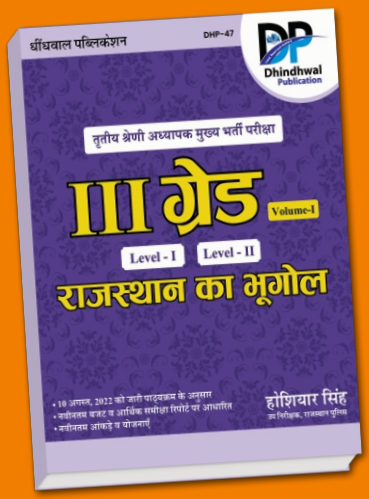

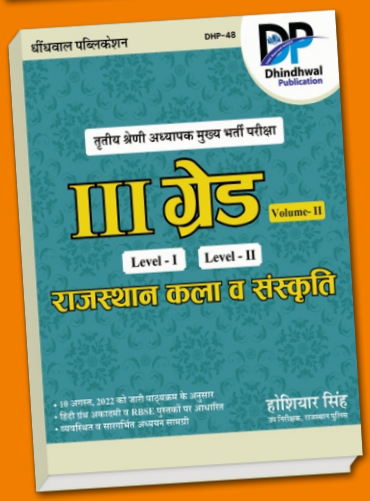

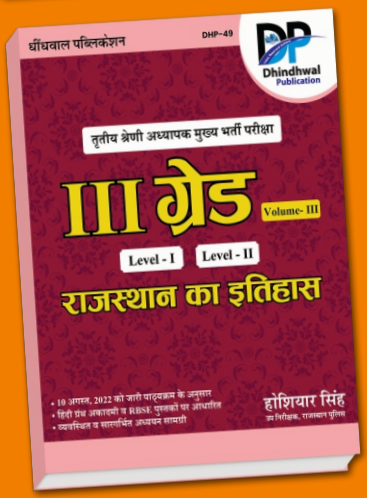

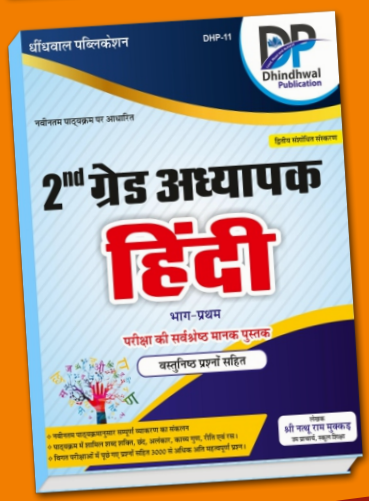

धींधवाल पब्लिकेशन

बी-22, वैष्णो विहार, बीकानेर मोबाइल : 8306733800

जुड़िए पब्लिकेशन के टेलीग्राम चैनल से

@DHINDHWAL2023GK

- नि:शुल्क मार्गदर्शन
- नि:शुल्क टेस्ट सीरीज (पीडीएफ फॉर्मेट में)
- विज्ञप्ति सिलेबस व परिणाम संबंधी जानकारी
- डाउट क्लियर करने के लिए पब्लिकेशन के लेखकों से सीधा संवाद
- भूगोल जैसे विषय के अद्यतन आँकड़े

टेलीग्राम में जाकर धींधवाल पब्लिकेशन/Dhindhwal Publication सर्च करके इसे जोइन कर सकते हैं।
टेलीग्राम ग्रुप का लिंक प्राप्त करने के लिए 8306733800 पर वाट्सअप मैसेज करें।

धींधवाल पब्लिकेशन

बी-22, वैष्णो विहार, बीकानेर मोबाइल : 8306733800

धींधवाल पब्लिकेशन

DHP-21

Dhindhwal Publication

हमारे प्रकाशन की अन्य पुस्तकें

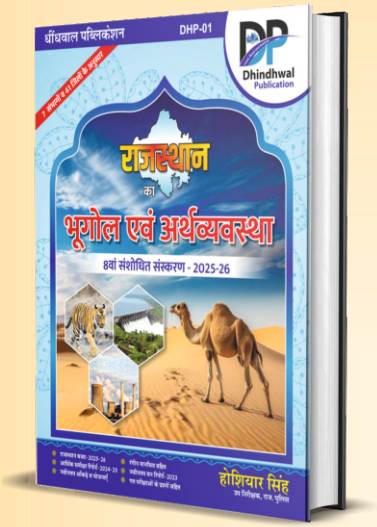

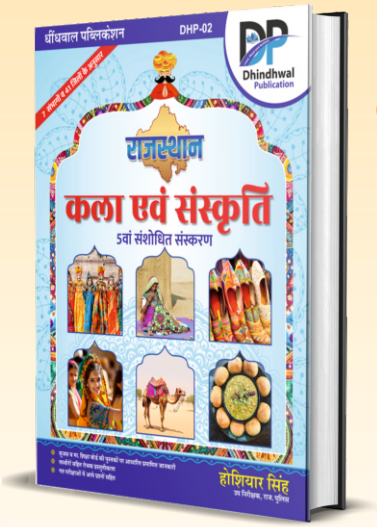

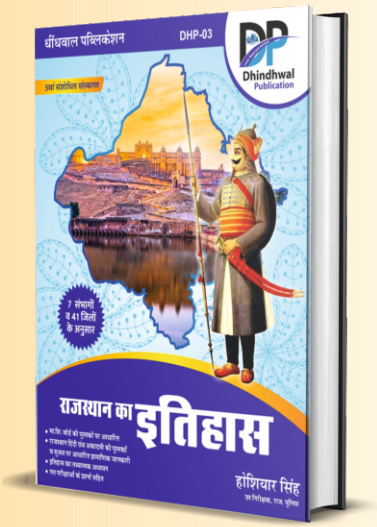

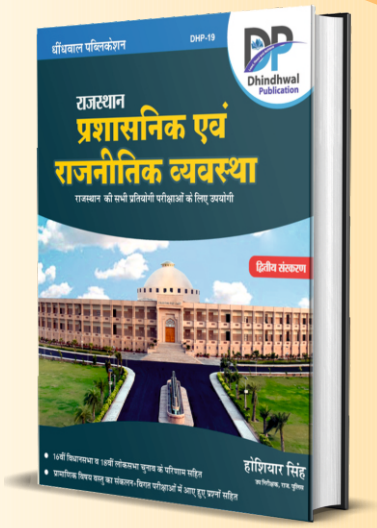

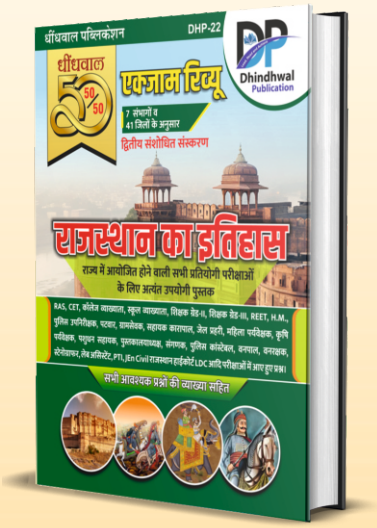

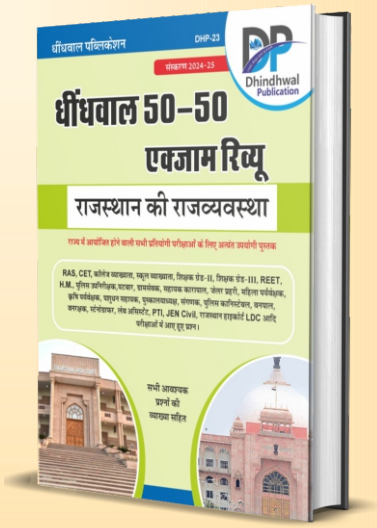

धींधवाल पब्लिकेशन

बी-22, वैष्णो विहार, बीकानेर मोबाइल : 8306733800

धींधवाल पब्लिकेशन

प्रस्तुत करते हैं–

Dhindhwal Publication

धींधवाल 50–50 एक्जाम रिव्यू

राजस्थान कला व संस्कृति

- ☞ 41 जिलों के अनुसार प्रश्नों की व्याख्या।
- ☞ प्रश्नों की व्याख्या में सुजस व हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की पुस्तकों के तथ्यों का समावेश।
- ☞ वर्ष 2011 से जनवरी 2025 तक की परीक्षाओं में आए हुए प्रश्नों का संकलन।

RAS, कॉलेज व्याख्याता, स्कूल व्याख्याता, शिक्षक IInd ग्रेड, शिक्षक IIIrd ग्रेड, REET, H.M., CET, पुलिस उपनिरीक्षक, पटवार, ग्रामसेवक, राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल, राजस्थान हाइकोर्ट, वनरक्षक, वनपाल, पुस्तकालयाध्यक्ष, PTI IInd ग्रेड, PTI IIIrd ग्रेड व राजस्थान की अन्य सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए समान रूप से उपयोगी पुस्तक।

धींधवाल पब्लिकेशन
B-22, वैष्णो विहार, बीकानेर
मो.- 8306733800

संकलनकर्त्ता:–होशियार सिंह
(उप निरीक्षक, राजस्थान पुलिस)

प्रकाशकः-

धींधवाल पब्लिकेशन

B-22, वैष्णो विहार, बीकानेर

मो.- 8306733800

- Dhindhwal Publication

- धींधवाल पब्लिकेशन

- Dhindhwal Classes

- @Publication-DP

- Dhindhwal Publication

बुक कोड-DHP-21

द्वितीय संशोधित संस्करण

© सर्वाधिकार- लेखक

फिक्स रेट-160 रुपये

मुद्रक-

पिंकसिटी ऑफसेट, जयपुर

इस पुस्तक के किसी भी अंश का लेखक तथा प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना मुद्रित करना, कराना तथा इस पुस्तक की व इस पुस्तक के किसी भाग की फोटोकॉपी, स्केनिंग, इलेक्ट्रोस्टेट, मशीनी टंकण अथवा किसी भी तरीके से पुनः उपयोग करना, पी.डी.एफ बनाकर वाट्सअप, टेलीग्राम व फेसबुक आदि पर प्रसारित करना पूर्णतः वर्जित है।

इस पुस्तक को तैयार करने में पूर्ण सावधानी बरती गई है पुस्तक में दिये गये तथ्य व विवरण उचित व विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त किये गये हैं, फिर भी इसमें किसी त्रुटि, गलती, कमी अथवा लोप रह जाना संभव है। अतः ऐसी किसी भी त्रुटि, गलती, कमी अथवा लोप के कारण हुई क्षति अथवा क्लेश के लिए लेखक, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक, विक्रेता व कर्मचारीगण का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा। आप उपर्युक्त सभी शर्तों को स्वीकार करते हुए स्वेच्छा से पुस्तक खरीद रहे हैं अतः दायित्व आपका स्वयं का होगा। सभी प्रकार के परिवादों का न्यायिक क्षेत्र बीकानेर होगा।

भूमिका

प्रिय परीक्षार्थियो,

मुझे **'राजस्थान कला व संस्कृति'** की **'एक्जाम रिव्यू' (50–50)** पुस्तक का **द्वितीय संस्करण** आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है। इससे पूर्व **'राजस्थान का भूगोल एवं अर्थव्यवस्था'**, **'राजस्थान की कला व संस्कृति'**, **'राजस्थान का इतिहास'** तथा **'राजस्थान प्रशासनिक एवं राजनीतिक व्यवस्था'** सहित हमारी सभी पुस्तकें पूरे राजस्थान में पसन्द की जा रही हैं।

प्रस्तुत पुस्तक में **राजस्थान कला व संस्कृति** के **वर्ष 2011** से **जनवरी 2025** तक की परीक्षाओं में आए हुए प्रश्नों को शामिल किया गया है। इस पुस्तक में **सुजस, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पाठ्यपुस्तकों** व **हिन्दी ग्रन्थ अकादमी** की पुस्तकों के तथ्यों को शामिल करते हुए प्रश्नों की विस्तार से व्याख्या दी गई है। पुस्तक में शामिल किए गए प्रश्नों की व्याख्या **41 जिलों** के अनुसार तैयार की गई है।

प्रस्तुत पुस्तक मैंने हमारी अन्य पुस्तकों (राजस्थान G.K.) को पढ़ रहे परीक्षार्थियों की माँग पर तैयार की है, मेरा पूर्ण विश्वास है कि **राजस्थान कला व संस्कृति एक्जाम रिव्यू** की यह पुस्तक आपकी तैयारी में मील का पत्थर साबित होगी। हमने विद्यार्थियों की सुविधा के लिए प्रश्नों के **उत्तर** उनकी **व्याख्या के साथ** दिए हैं, साथ ही व्याख्या लिखते हुए इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि उस प्रश्न से संबंधित कोई भी **महत्त्वपूर्ण** तथ्य छूटे नहीं।

इस पुस्तक से आपको राजस्थान लोक सेवा आयोग व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की परीक्षाओं के पैटर्न को समझने में आसानी होगी। इस विषय में अपनी तैयारी को परखने के साथ–साथ कला व संस्कृति के प्रत्येक टॉपिक की गहरी समझ भी विकसित होगी। पुस्तक को परीक्षार्थियों की आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक से अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है। व्याख्या की **भाषा सरल** व **शैली बोधगम्य** रखी गयी है।

मैं उन सभी मित्रों, प्रतियोगी छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने मुझे इस पुस्तक के लेखन हेतु ऊर्जावान प्रेरणा दी। यह पुस्तक मैं अपनी **स्वर्गीया माताजी** को समर्पित करता हूँ। पुस्तक लेखन के कार्य में मेरी **धर्मपत्नी श्रीमती विमला** का विशेष सहयोग रहा। पुस्तक को व्यवस्थित और आकर्षक स्वरूप प्रदान करने के लिए **पब्लिकेशन टीम** के सदस्य **मुकेश कुमावत, लालचन्द जाट, विक्रम सिंह, कानाराम वर्मा, धर्मेंद्र बिशु, सहदेव चारण व टाइपिस्ट विष्णु पुरी, असलम अली व रवि प्रजापत** को भी धन्यवाद देता हूँ।

यद्यपि पुस्तक के लेखन एवं प्रकाशन में पूर्ण सावधानी बरती गई है, तथापि आगामी संस्करणों में इसे और अधिक उपयोगी बनाने के लिए आपके अमूल्य सुझावों का हार्दिक स्वागत है।

''जीत लो हर लम्हा, बीत जाने से पहले,
लौट कर यादें आती हैं, वक्त नहीं।।''

होशियार सिंह
(उप निरीक्षक, राजस्थान पुलिस)

धींधवाल 50–50 एक्जाम रिव्यू राजस्थान कला व संस्कृति

क्र. सं.	विषय–वस्तु	पृष्ठ संख्या
1.	राजस्थान के दुर्ग	1–20
2.	राजस्थान के महल, पैलेस एवं स्मारक	21–27
3.	राजस्थान की हवेलियाँ	28–29
4.	राजस्थान की छतरियाँ	30–32
5.	राजस्थान में जल स्थापत्य	33–34
6.	राजस्थान के लोकदेवता	35–45
7.	राजस्थान की लोक देवियाँ	46–51
8.	राजस्थान के सम्प्रदाय एवं संत	52–69
9.	राजस्थान के मुस्लिम पीर, मस्जिदें, दरगाह, मीनार व मकबरे	70–74
10.	राजस्थान के मंदिर	75–92
11.	राजस्थान के त्योहार व मेले	93–106
12.	राजस्थान की चित्रकला शैलियाँ	107–120
13.	राजस्थान की हस्तकलाएँ	121–132
14.	राजस्थान के लोक नृत्य	133–142
15.	राजस्थान के प्रमुख लोक नाट्य	143–148
16.	राजस्थान की लोकगायन शैलियाँ, संगीत घराने व प्रमुख संगीतज्ञ	149–152
17.	राजस्थान के लोकगीत	153–156
18.	राजस्थान के लोक वाद्ययंत्र	157–165
19.	राजस्थान के आभूषण	166–171
20.	राजस्थान की वेशभूषा व पहनावा	172–175
21.	राजस्थान की प्रथाएँ व रीति–रिवाज	176–179
22.	राजस्थान की जनजातियाँ	180–184
23.	राजस्थानी भाषा व बोलियाँ	185–194
24.	राजस्थान के प्रमुख साहित्यकार	195–204
25.	राजस्थान में साहित्य व प्रमुख पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ	205–225
26.	राजस्थान की साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्थाएँ	226–229
27.	राजस्थान के प्रमुख संग्रहालय	230–231
28.	राजस्थानी शब्दावली	232–235

1 राजस्थान के दुर्ग

1. **अपने अभेद्य स्वरूप के कारण मारवाड़ का कौन सा दुर्ग संकटकाल में मारवाड़ के राजाओं का शरण स्थल रहा है?** **(कनिष्ठ अनुदेशक (सोलर टेक्नीशियन) 2025)**
(1) कुम्भलगढ़ (2) सिवाणा दुर्ग
(3) मेहरानगढ़ (4) सज्जनगढ़

व्याख्या–(2) सिवाणा दुर्ग का निर्माण 954 ई. में **परमार शासक वीरनारायण परमार** (राजा भोज का पुत्र था) द्वारा करवाया गया था। यह किला **गिरी दुर्ग व वन दुर्ग** का उदाहरण है। छप्पन की पहाड़ियों में स्थित है।
अन्य नाम– जालौर दुर्ग की कुंजी/मारवाड़ के राठौड़ शासकों की शरण स्थली।

2. **बीकानेर के किस शासक ने जूनागढ़ दुर्ग का निर्माण करवाया?** **(कनिष्ठ अनुदेशक (सोलर टेक्नीशियन) 2025)**
(1) राय सिंह (2) कर्ण सिंह (3) बीका (4) जैतसी
(JSA Chemistry 2019)(AAO - 2019)(लैब असिस्टेंट–2022) (राज.पुलिस- 2020)(कनिष्ठ अनु. वायरमैन 2019)

व्याख्या–(1) बीकानेर किले का **निर्माण महाराजा रायसिंह** द्वारा 30 जनवरी, **1589** से 17 जनवरी, **1594 ई.** तक अपने मंत्री **कर्मचन्द बछावत** की देखरेख में करवाया।

3. **निम्न में से कौन–सा दुर्ग औदक दुर्ग है?** **(कनिष्ठ अनुदेशक (सोलर टेक्नीशियन) 2025)**
(1) सोनारगढ़ (2) गागरोण दुर्ग
(3) आमेर का दुर्ग (4) कुम्भलगढ़
(JSA Physics- 2019)(PTI 2nd Grade- 2012)(SI -2021) (Agri. Officer-2011)(राजस्थान पुलिस–2022)(Pre. BSTC- 2021)

व्याख्या–(2) जल दुर्ग/औदक दुर्ग– वह दुर्ग जो चारों ओर से पानी से घिरा हो, जैसे– **गागरोन दुर्ग** (झालावाड़), **शेरगढ़ दुर्ग** (बारां), **भैंसरोड़गढ़ दुर्ग** (चित्तौड़गढ़)।

4. **किस दुर्ग को 'गढ़ बीठली' भी कहा जाता है?**
(1) कुम्भलगढ़ (2) जयगढ़ (3) सोनारगढ़ (4) तारागढ़ (अजमेर)
(कनिष्ठ अनुदेशक (ड्राफ्टमैन) 2025) (राज. पुलिस–2018)(लैब असिस्टेंट–2022)(वरिष्ठ अध्यापक (NON- TSP GK)– 2019)(वरिष्ठ अध्यापक जीके ग्रुप–B 2018)

व्याख्या–(4) तारागढ़ दुर्ग को पूर्व का दूसरा जिब्राल्टर/अजयमेरू दुर्ग/राजस्थान का हृदय/राजपूताने की कुंजी/अरावली का अरमान आदि उपनामों से जाना जाता है। इसका निर्माण चौहान शासक अजयराज ने **1113 ई.** में बिठली नामक पहाड़ी पर करवाया था।

5. **कुम्भलगढ़ दुर्ग का प्रमुख सूत्रधार (शिल्पी) कौन था?**
(A) कूपा (B) जेत्र (C) मण्डन (D) जेता/जेत्ता
उत्तर–(C) **(कनिष्ठ अनुदेशक (मेंटेनेंस ट्रेड) 2025) (प्रवक्ता तकनीकी शिक्षा–2021)(REET L- 1 2023) (JEN Electical Digree- 2020)(महिला पर्यवेक्षक–2019) (JSA Ballistic- 2019)(LDC 43-A 2018)(राज. पुलिस–2018)**

6. **निम्नलिखित में से किस किले का नाम "सुदर्शनगढ़" भी है?** **(वरिष्ठ अध्यापक जी.के.(संस्कृत विभाग) 2024)**
(1) नाहरगढ़ (2) सामोद
(3) तिमनगढ़ (4) जयगढ़
उत्तर–(1) **(वनरक्षक–2022)(राज. हाईकोर्ट LDC- 2023) (कनिष्ठ अनु. वायरमैन 2019)**

7. **राजस्थान में मेहरानगढ़ किला कहाँ स्थित है?**
(1) झालावाड़ (2) जोधपुर
(3) जैसलमेर (4) जालौर
उत्तर–(2) **(Stenographer-2024)(पशु परिचर (S-6) 2024) (राजस्थान पुलिस–2022)**

8. **राजस्थान के किस शहर में जूनागढ़ किला स्थित है?**
(1) बीकानेर (2) जयपुर (3) कोटा (4) बाड़मेर
उत्तर–(1) **(पशु परिचर (S-6) 2024)**

9. **अबुल फजल ने राजस्थान में स्थित किस किले को बख्तरबंद किला कहा है?** **(पशु परिचर (S-5) 2024)**
(1) तारागढ़ (2) कुम्भलगढ़
(3) नाहरगढ़ (4) रणथम्भौर

व्याख्या–(4) डॉ. गौरी शंकर हीराचन्द ओझा के अनुसार **रणथम्भौर** का किला **अण्डाकार आकृति** वाले एक ऊँचे पहाड़ पर स्थित है।

10. **1733 में महाराज सूरजमल द्वारा निर्मित किले का नाम है–** **(पशु परिचर (S-5) 2024)**
(1) गागरौन किला (2) जालौर किला
(3) लौहगढ़ किला (4) चूरू किला

व्याख्या–(3) इस किले पर कई आक्रमण हुए लेकिन इसे कोई भी जीत नहीं पाया, अतः इसे **अजेय दुर्ग** कहा जाता है। अपनी अजेयता के कारण **'लोहागढ़'** कहलाया।

11. **राजस्थान के किस किले को "विश्व का दूसरा जिब्राल्टर" कहा जाता है?** **(पशु परिचर (S-5) 2024)**
(1) जूनागढ़ (2) नाहरगढ़
(3) मेहरानगढ़ (4) तारागढ़ (अजमेर)

136. **किस किले के उत्तरी द्वार का अष्टधातु दरवाजा 1765 में लाल किले से उतार कर लाया गया?**
(1) रणथम्भौर (2) लोहागढ़
(3) भटनेर (4) तारागढ़
(JEN Civil Diploma- 2020)

व्याख्या–(2) अष्टधातु का किंवाड़– इस दरवाजे को महाराजा **जवाहर सिंह** 1765 ई. में दिल्ली से विजय करके लाये थे। **जवाहर सिंह** दिल्ली के **नजीबुद्दौला** को हराकर ये किंवाड़ **दिल्ली के लाल किले** से उखाड़ कर यहाँ लगवाये। यह दरवाजा अलाउद्दीन खिलजी **चित्तौड़ अभियान** में चित्तौड़ से ले जाकर दिल्ली स्थित **झीरी के किले** पर लगवाया था वहाँ से उतारकर शाहजहाँ ने लाल किले पर लगवाये, वहाँ से **जवाहर सिंह** उतारकर लाये और भरतपुर के किले में उत्तरी प्रवेश द्वार पर लगवाया।

137. **महाराणा कुम्भा के शासनकाल में चित्तौड़ का वास्तुकार कौन था?**
(1) मण्डन (2) विद्याधर
(3) दीपक (4) निहालचन्द
(JEN Electical Diploma- 2020)

व्याख्या– (1) महाराणा कुम्भा ने **चित्तौड़ दुर्ग का जीर्णोद्धार** करवाया, रथ मार्ग और सातों प्रवेश द्वारों, विजय स्तम्भ, कुंभ श्याम मंदिर, कुंभा के महल, श्रृंगार चंवरी का निर्माण करवाया। चित्तौड़ दुर्ग के विस्तार एवं परिवर्द्धन का श्रेय **महाराणा कुम्भा** को जाता है। इसलिए चित्तौड़गढ़ दुर्ग का **आधुनिक निर्माता** महाराणा कुंभा को माना जाता है।

138. **नौ मंजिल के विशाल 'कीर्ति–स्तम्भ' को राणा कुम्भा ने अपने किस उपास्यदेव को समर्पित किया है?**
(1) शिव (2) हनुमान (3) राम (4) विष्णु
(JEN Electical Digree- 2020)

व्याख्या–(4) कीर्ति स्तम्भ **कुंभा की कीर्ति** का बखान करता है इसलिए इसे '**कीर्ति स्तम्भ**' कहते हैं। विजय स्तम्भ में जगह–जगह पौराणिक कथाएँ लिखी हुई हैं, तथा देवी–देवताओं की मूर्तियाँ बनी हैं, जो राजस्थान की वास्तुकला का सुन्दर नमूना पेश करती हैं। विष्णु को समर्पित होने के कारण **डॉ. उपेन्द्र नाथ** ने विजय स्तम्भ को '**विष्णुध्वज**' के नाम से पुकारा है।

139. **यदि कोई पर्यटक विशाल पानी के टाँके, तोप ढ़ालने का कारखाना तथा गुप्त सुरंगे देखना चाहता है तो उसको किस किले में जाना चाहिए?**
(1) जयगढ़ दुर्ग (2) नाहरगढ़ दुर्ग
(3) कुंभलगढ़ दुर्ग (4) आमेर दुर्ग
(JEN Elect. Mech. Diploma- 2020)

व्याख्या–(1) जयगढ़ दुर्ग (जयपुर) अपनी जल संग्रहण प्रणाली, विशाल टांकों व गुप्त सुरंगों के लिए प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि इस किले में स्वयं महाराजा के अलावा सिर्फ किलेदारों को ही प्रवेश की अनुमति थी।

140. **चितौड़गढ़ के विजय स्तम्भ के बारे में अधोलिखित कथनों को पढ़िए–** **(Deputy Commandant- 2020)**
I. इसका निर्माण मण्डन की देखरेख में राणा कुम्भा ने करवाया।
II. यह एक आठ मंजिला ढाँचा है।
III. विजय स्तम्भ भगवान विष्णु को समर्पित है और इसमें हिन्दु देवमंडल की प्रचुर प्रतिमाएँ हैं।
उपर्युक्त में से कौन से कथन सत्य हैं?
(1) I और II (2) II और III (3) I और III (4) I, II और III

व्याख्या–(डिलीट) विजय स्तम्भ एक **नौ मंजिला** ढ़ांचा है। यह **भगवान विष्णु** को समर्पित है। इसका मुख्य शिल्पी जैता था। उक्त प्रश्न में कथन I ही सत्य है। अतः **विकल्प** सही नहीं होने के कारण यह प्रश्न **डिलीट** किया गया।

141. **'राजस्थान का प्रथम विजय स्तंभ' कहाँ पर स्थित है?**
(1) विजय मंदिर, अलवर (2) बयाना दुर्ग, भरतपुर
(3) चित्तौड़गढ़ दुर्ग, चित्तौड़गढ़ (4) जयगढ़, आमेर
उत्तर–(2) **(Librarian Grade - II- 2020)**

142. **राजस्थान के किस किले में इस्लामी संत मलिक शाह का मकबरा स्थित है?** **(राज. पुलिस 7th 1st Shift- 2020)**
(1) रणथंभौर के किले में (2) जालोर के किले में
(3) चित्तौड़गढ़ के किले में (4) तारागढ़ में

व्याख्या–(2) संत मलिकशाह की दरगाह जालौर दुर्ग में स्थित है। इस दरगाह को अलाउद्दीन के शासनकाल में बगदाद के सुल्तान मलिकशाह के सम्मान में बनवाया गया।

143. **किला, और उसकी अवस्थिति (location) वाले जिले का निम्न में से कौन सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?**
(1) कुंभलगढ़– राजसमंद (2) मेहरानगढ़– जोधपुर
(3) जूनागढ़– बूंदी (4) रणथम्भौर– सवाई माधोपुर
(राज. पुलिस 7th 1st Shift- 2020)

व्याख्या–(3) जूनागढ़ किला बीकानेर जिले में स्थित है।

144. **फ़तेह प्रकाश महल का निर्माण निम्नलिखित में से किस किले में कराया गया था?(राज.पुलिस 7th 2nd Shift- 2020)**
(1) चित्तौड़गढ़ का किला (2) मेहरानगढ़ का किला
(3) जैसलमेर का किला (4) नाहरगढ़ का किला

व्याख्या–(1) फतेह प्रकाश महल का निर्माण **महाराणा फतेहसिंह** द्वारा करवाया गया। यह चित्तौड़ किले का **नवीनतम भवन** है, वर्तमान में इसमें **राजकीय म्यूजियम** संचालित है।

2 राजस्थान के महल, पैलेस एवं स्मारक

1. **जयपुर (गुलाबी नगरी) में स्थित 'हवा महल' किस वास्तुकार द्वारा डिजाइन किया गया था?(लवण निरी.–2019) (राज.पुलिस 7th (S-2)- 2020)(पशु परिचर (S-4) 2024)**
(1) सवाई प्रताप सिंह (2) सवाई जय सिंह
(3) लाल चंद उस्ताद (4) उस्ताद हवा सिंह

व्याख्या–(3) जयपुर शहर में बड़ी चौपड़ के पास स्थित इस हवामहल का निर्माण **1799 ई.** में जयपुर शासक **सवाई प्रतापसिंह** ने करवाया था। लाल व गुलाबी बलूआ पत्थरों से निर्मित यह भवन **'भगवान कृष्ण के मुकुट के समान'** नजर आता है।

2. **कौन–सी इमारत "झुंझुनूं का हवामहल" के नाम से विख्यात है? (पशु परिचर (S-3) 2024)**
(1) खेतड़ी महल (2) जसवत थड़ा
(3) जगमन्दिर पैलेस (4) लालगढ़ पैलेस

व्याख्या–(1) खेतड़ी महल का निर्माण खेतड़ी के महाराजा भोपालसिंह ने (वि.स.1817) **1760 ई.** में ग्रीष्म ऋतु में विश्राम हेतु झुंझुनूं में करवाया था।

3. **इन दो शहरों में जन्तर मन्तर स्थित है– (निम्न में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें) (CET Graduation (S-3)-2024)**
(1) जयपुर एवं आगरा (2) मथुरा एवं जोधपुर
(3) जयपुर एवं दिल्ली (4) दिल्ली एवं ग्वालियर

व्याख्या–(3) सवाई जयसिंह ने हिन्दू खगोल शास्त्र के आधार पर उज्बेकिस्तान के प्राचीन ऐतिहासिक नगर समरकन्द के शासक उलूगबेग द्वारा निर्मित वैधशाला से प्रेरणा लेकर देश भर में **5 वैधशालाओं** का निर्माण करवाया था, जो क्रमशः दिल्ली (1724 ई.), जयपुर (1734 ई.), उज्जैन, बनारस, मथुरा में बनवाई थी।

4. **लालगढ़ महल (पैलेस) और संग्रहालय किसके द्वारा बनवाया गया था? (महिला पर्यवेक्षक– 2024)**
(1) महाराजा जय सिंह (2) महाराजा लाल सिंह
(3) महाराजा गंगा सिंह (4) महाराजा राय सिंह

व्याख्या–(3) लालगढ़ महल महाराजा गंगासिंह (शासनकाल 1887–1943 ई.) ने अपने पिता **लालसिंह** की स्मृति में बनवाया था। यह महल दुलमेरा के लाल पत्थरों से **यूरोपियन शैली** में निर्मित है।

5. **हवा महल का निर्माण किसने करवाया?**
(1) सवाई जय सिंह (2) राजा मान सिंह
(3) राजा भाटी (4) सवाई प्रताप सिंह

उत्तर–(4) **(Raj. Police L-1 2024)(LDC 1st Paper -2024) (Programer Eaxm- 2014)(कनिष्ठ अनुदेशक (MD-2024)) (राज. पुलिस- 2020)(वनरक्षक–2022)(मोटर वाहन SI-2022) (Raj. SI-2021)(कनिष्ठ अनु. इले.–2019)**

6. **बादल महल के बारे में निम्नांकित कथनों में से कौनसा सही नहीं है? (BSTC-2024)**
(1) बादल महल का निर्माण परेवा (लाजवर्त) पत्थर से हुआ है।
(2) यह गैब सागर झील के किनारे पर स्थित है।
(3) यह राजपूत और मुगल स्थापत्य कला का मिश्रण है।
(4) यह उदयपुर का शानदार महल है।

व्याख्या–(4) यह डूँगरपुर का शानदार महल है।

7. **निम्न में से किस झील में सवाई जय सिंह ने जल महल का निर्माण करवाया था? (क्यूरेटर–2024)**
(1) पंच पहाड़ी झील (2) जमवा रामगढ़ झील
(3) मानसागर झील (4) चंदलाई झील

व्याख्या–(3) जयपुर से आमेर जाने वाले मार्ग पर **'मानसागर झील'** के मध्य यह जलमहल बना है। इस **5 मंजिला** महल का निर्माण सवाई जयसिंह ने करवाया था। यह महल झील के बीचों बीच स्थित होने के कारण इसे **'आई बॉल'** भी कहा जाता है।

8. **राजस्थान में, जहाँगीर का महल कहाँ स्थित है? (Raj. Police L-2 2024)**
(1) किशनगढ़ (2) डीग (3) अजमेर (4) पुष्कर

उत्तर–(4) **(RAS Pre.-2013)(जेल प्रहरी P-2 2017)**

9. **अढाई दिन का झोपड़ा मस्जिद का वास्तुकार कौन था?**
(1) उस्ताद अहमद लाहौरी (2) मीराक मर्जा
(3) अबू बक्र (4) अल्लारखा
(Asst. Pro.(Art Histoy-I)- 2024)

व्याख्या–(3) यह भवन मूलतः चौहान शासक **विग्रहराज चतुर्थ** (बीसलदेव) द्वारा निर्मित **संस्कृत पाठशाला** (सरस्वती कंठाभरण महाविद्यालय) थी। जिसे तराईन के द्वितीय युद्ध में विजय के बाद मोहम्मद गौरी के सेनापति **कुतुबद्दीन ऐबक** ने तुड़वा कर इसे अढ़ाई दिन के झोंपड़े (मस्जिद) में परिवर्तित कर दिया व फारसी लेख लिखवाए। अब यहाँ मुस्लिम पीर पंजाब शाह का **अढ़ाई दिन का उर्स** लगता है।

10. **सूची I (प्रसिद्ध स्थान) के साथ सूची II (शहर) को सुमेलित कीजिए।**

a. बादल विलास महल	I. जयपुर
b. मुबारक महल	II. कोटा
c. नेहर खान की मीनार	III. जोधपुर
d. मेहरानगढ़ किला	IV. जैसलमेर

3 राजस्थान की हवेलियाँ

1. **बच्छावत की हवेली कौन–से शहर में स्थित है?** **(पशु परिचर (S-1) 2024)**
(1) जयपुर (2) बीकानेर (3) चित्तौड़गढ़ (4) सिवाना

व्याख्या–(2) लाल पत्थरों से बनी इस हवेली का निर्माण **कर्ण सिंह बच्छावत** ने 1593 ई. में करवाया था। यह बीकानेर की **सबसे पुरानी हवेली** मानी जाती है।

2. **नाटाणियों की हवेली कहाँ पर स्थित है?**
(1) लक्ष्मणगढ़ (2) झुंझुनू (3) चुरू (4) जयपुर
उत्तर–(4) **(CET Graduation (S-2)-2024)**

3. **जैसलमेर के दो शिल्पकार भाई हाथी और लालू ने अपनी शिल्पकला, विशालता एवं अद्भुत नक्काशी से किस हवेली को आकार प्रदान किया, जो दो शिल्पकारों की अमर कृति को दर्शाती है?** **(क्यूरेटर–2024)**
(1) दीवान नथमल की हवेली (2) सलाम सिंह की हवेली
(3) पटवों की हवेली (4) सागरमल की हवेली

व्याख्या–(1) इसका निर्माण जैसलमेर के **दीवान नथमल मेहता** द्वारा 1884–85 ई. में **महारावल बैरीसाल** के समय करवाया गया था। इस हवेली में कहीं भी किसी शिल्प का दोहराव नहीं किया गया है।

4. **निम्नलिखित में से कौनसी हवेलियाँ मण्डावा में स्थित है?** **(क्यूरेटर–2024)**
(अ) लादूराम तार्केश्वर गोयनका की हवेली
(ब) रामगोपाल मदनलाल मूरमूरिया की हवेली
(स) सलाम सिंह की हवेली
(द) हरचंदलाल धांधनिया की हवेली
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें–
(1) अ और ब (2) ब, स और द
(3) अ, ब और द (4) अ और स
उत्तर–(3)

5. **किसने जैसलमेर में पाँच 'पटवा हवेली' बनवाई?**
(1) राणा उदयसिंह (2) बन्ने सिंह
(3) रावल वीर सिंह देव (4) गुमान चन्द
(अनु. सहायक–2017)(VDO Mains-2022)(कृषि पर्यवेक्षक–2024)

व्याख्या–(4) पटवों की हवेली में **सिंन्ध, भारत, मुगल व यहूदी स्थापत्य कला** का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। इस हवेली का निर्माण **1805 ई.** में व्यवसायी **गुमानचन्द पटवा** ने अपने 5 पुत्रों के लिए करवाया था। यह हवेली **5 मंजिला** है। यह जैसलमेर की **सबसे बड़ी** और **सबसे खूबसूरत नक्काशीदार** हवेली है।

6. **गलत युग्म चुनिए।** **(2nd ग्रेड शिक्षक जुलाई 2023)**
(1) सलीम सिंह की हवेली– जैसलमेर
(2) जसंवत थड़ा– जोधपुर (3) अरथूना मंदिर– डूंगरपुर
(4) त्रिपुरा सुंदरी मंदिर– बांसवाड़ा

व्याख्या–(3) अर्थुना (बांसवाड़ा) का प्राचीन नाम 'उत्थुनक' था।

7. **झाला हवेली किस किले/महल में अवस्थित है?**
(1) कोटा (2) बूँदी (3) झालावाड़ (4) बीकानेर
(वरि. अध्यापक ग्रुप–A (संस्कृत शिक्षा) 2023)
(मूल्यांकन अधिकारी–2020)

व्याख्या–(1) कोटा दुर्ग में स्थित झाला हवेली भित्ति चित्रों के लिए प्रसिद्ध है, कुछ चित्र यहाँ से प्लास्टर सहित निकाल कर राष्ट्रीय कला दीर्घा दिल्ली में सुरक्षित रखे गये हैं।

8. **'महणसर' प्रसिद्ध है–** **(CET Graduation- 2023)**
(1) सोने की चित्रकारी के लिए
(2) मुगलकालीन चित्रों की अधिकता के लिए
(3) 360 खिड़कियों की हवेली के लिए
(4) सती माता मन्दिर के लिए

व्याख्या–(1) महणसर में पोद्दारों की सोने की दुकान पर्यटकों का प्रमुख केन्द्र बनी हुई है। इस दुकान के भित्ती चित्रों में **श्रीराम और श्रीकृष्ण की लीलाओं** का नयनाभिराम चित्रण है। यहाँ के भित्ती चित्रों पर स्वर्णिम पॉलिस होने के कारण ही यह **सोने की दुकान/हवेली** कहलाती है।

9. **राजस्थान में प्रसिद्ध सोने–चाँदी की हवेली कहाँ स्थित है?** **(वनरक्षक–2022)(REET L- 2 (English) 2023)**
(1) बिसाऊ (झुन्झुनू) (2) महनसर (झुन्झुनू)
(3) लक्ष्मणगढ़ (सीकर) (4) पोकरण (जैसलमेर)
उत्तर– (2)

10. **राजस्थान में पर्यटकों का एक प्रमुख आकर्षण पोद्दार की हवेली है, जो स्थित है–** **(JEN Elec. Mech. Diploma- 2022)**
(1) महनसर (2) फतेहपुर (3) मंडावा (4) नवलगढ़

व्याख्या–(4) पोद्दार की हवेली **नवलगढ़** (झुंझुनूं) में स्थित है।

11. **नाथूराम पोद्दार की हवेली, शेखावाटी में कहाँ स्थित हैं?**
(1) नवलगढ़ (2) मण्डावा (3) महनसर (4) बिसाऊ
(वनरक्षक–2022)

व्याख्या–(4) नाथूराम पोद्दार की हवेली **बिसाऊ** (झुंझुनूं) में स्थित है।

12. **पंसारी की हवेली कहाँ स्थित है?** **(वनरक्षक–2022)**
(1) डूंडलोद में (2) टोंक में (3) चिड़ावा में (4) श्रीमाधोपुर में

धींधवाल पब्लिकेशन

6 राजस्थान के लोकदेवता

1. **लोक देवता गोगाजी का धार्मिक स्थल किस वृक्ष के नीचे होता है? (लैब असिस्टेंट–2019) (कनिष्ठ अनु.(ड्राफ्टमैन) 2025)**
(1) पीपल (2) खेजड़ी
(3) नीम (4) आम

व्याख्या–(2) गोगाजी की पत्थर पर उत्कीर्ण **सर्प मूर्ति युक्त** पूजास्थल/थान प्रायः गाँवों में **खेजड़ी वृक्ष** के नीचे होता है। हिन्दू इन्हें **'नागराज'** तो मुस्लिम इन्हें **'गोगापीर'** के रूप में पूजते हैं।

2. **रुणीचा धार्मिक स्थल किस लोक देवता से संबंधित है? (कनिष्ठ अनुदेशक (मेंटेनेंस ट्रेड) 2025)**
(1) मल्लीनाथजी (2) गोगाजी
(3) रामदेवजी (4) हरभूजी

व्याख्या–(3) रामदेवजी को रामसापीर (मुसलमान)/रूणेचा रा धणी/पीरों का पीर/कृष्ण का अवतार/साम्प्रदायिक सद्भाव के लोकदेवता आदि उपनामों से जाना जाता है।

3. **उन लोक देवताओं को चिह्नित कीजिए, जिनकी जीवन कथाओं में गौ–रक्षा के प्रकरण हैं– (वरिष्ठ अध्यापक जीके (संस्कृत विभाग) 2024)**
(i) गोगाजी (ii) तेजाजी (iii) पाबूजी (iv) देवजी
सही कूट का चयन कीजिए–
(1) (i), (ii) एवं (iv) (2) (i) एवं (iii)
(3) (i), (ii), (iii) एवं (iv) (4) (i) एवं (ii)
उत्तर–(3)

4. **राजस्थान के लोक देवता का नाम जिसे ऊँटों का देवता कहा जाता है–(VDO 27-12-2021)(पशु परिचर (S-5) 2024) (REET L- 1 2021)(शीघ्रलिपिक– 2021)(वनरक्षक– 2022)**
(1) मल्लिनाथजी (2) गोगाजी (3) तेजाजी (4) पाबूजी

व्याख्या–(4) पाबुजी को ऊँटो के देवता/प्लेग रक्षक/गौरक्षक/राड़फाड़ आदि उपनामों से जाना जाता है। इन्हे ग्रामीण जनमानस द्वारा **लक्ष्मण का अवतार** माना जाता है।

5. **उस हिन्दू संत का नाम जिसे मुस्लिम भी 'रामसा पीर' के रूप में पूजते हैं: (पशु परिचर (S-5) 2024)**
(1) रामदेवजी (2) मेहाजी मंगलिया
(3) देवनारायणजी (4) मल्लिनाथजी
उत्तर–(1)

6. **निम्न में से सत्य कथनों की पहचान करें:**
a. कल्लाजी, जिन्होंने अकबर के चित्तौड़ किले पर आक्रमण के दौरान असाधारण वीरता और साहस दिखाया था, मेवाड़ क्षेत्र में चार हाथों वाले लोकदेवता के रूप में लोकप्रिय हैं।
b. ऐसा माना जाता है कि कल्लाजी का सिर काटने के बाद भी मुगलों से लड़ते हुए उनका धड़ रूडेला तक पहुंच गया था।
c. कल्लाजी द्वारा कामड़िया पंथ की स्थापना की गई थी।
d. राजस्थान में पाबूजी ऊँटों के देवता के रूप में पूजे जाते हैं।
निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(1) केवल a, b, c (2) केवल b, c, d
(3) केवल a, b, d (4) केवल a, c, d
उत्तर–(3) **(पशु परिचर (S-4) 2024)**

7. **निम्नलिखित में से कौन राजस्थान में पंचपीर में शामिल नहीं है? (पशु परिचर (S-4) 2024)**
(1) पाबू जी (2) तेजा जी (3) रामदेव जी (4) गोगा जी

व्याख्या–(2) पंचपीर– निम्न दोहे में परिलक्षित होते हैं–
"पाबू, हड़भू, रामदे, मांगलिया मेहा,
पाँचो पीर पधार ज्यो, गोगाजी जेहा।"

8. **गोगाजी के अलावा कौन–से लोक देवता को साँपों के देवता के रूप में पूजा जाता है? (पशु परिचर (S-3) 2024)**
(1) मल्लीनाथ जी (2) पाबूजी (3) रामदेवजी (4) तेजाजी

व्याख्या–(4) तेजाजी को **नागों का देवता**/गायों का मुक्तिदाता/काळा व बाळा का देवता/कृषि कार्यों के उपकारक देवता/ अजमेर के लोकदेवता/धौलिया वीर आदि उपनामों से जाना जाता है।

9. **गोगाजी (राजस्थान में एक लोक देवता) के पिताजी का नाम था: (पशु परिचर (S-2) 2024)**
(1) बचेहल सिंह (2) जेवर सिंह (3) अर्जन सिंह (4) सुरजन सिंह

व्याख्या–(2) गोगाजी का जन्म ददरेवा (चुरू) में 1003 वि. संवत् (946 ई.) में भाद्रपद कृष्ण नवमी को हुआ था। गोगाजी के पिता का नाम **जेवर** (जीवराज चौहान), माता का नाम **बाछल** तथा गुरु का नाम **गोरखनाथ** था।

10. **कथन (I): राजस्थान में पाबूजी की ऊँटों के देवता के रूप में पूजा की जाती है।**
कथन (II): मारवाड़ में सर्वप्रथम ऊँट लाने का श्रेय पाबूजी को है।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें: (पशु परिचर (S-2) 2024)
(1) कथन (I) और कथन (II) दोनों सही हैं।
(2) कथन (I) और कथन (II) दोनों गलत हैं।
(3) कथन (I) सही है लेकिन कथन (II) गलत है।
(4) कथन (I) गलत है लेकिन कथन (II) सही है।
उत्तर–(1)

7 राजस्थान की लोकदेवियाँ

1. **लांगुरिया गीत किस लोक देवी से सम्बन्धित है?**
(CET 10+2 (S-3) 2024)(कनिष्ठ अनुदेशक (मेंटेनेंस ट्रेड) 2025)
(हथकरघा निरीक्षक– 2019)
(1) शीतला माता (2) कैला देवी
(3) जीण माता (4) जल देवी

व्याख्या–(2) लांगुरिया गीत– कैला देवी की आराधना में हनुमान जी को लंगूर मान कर लांगूरिया गीत गाया जाता है।

2. **राजस्थान के किस प्रसिद्ध मन्दिर में हजारों की संख्या में चूहे पाए जाते हैं?** **(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) करणी माता मन्दिर (2) कैला देवी मन्दिर
(3) जीण माता मन्दिर (4) माँ त्रिपुर सुन्दरी मन्दिर
(राज. पुलिस 7th (S-1)-2020)(महिला पर्यवेक्षक– 2019)

व्याख्या–(1) करणी माता के मंदिर का प्रारम्भ में निर्माण **सेठ चांदमल ढड्डा** ने करवाया था। इसके बाद महाराजा **कर्णसिंह** व उसके बाद महाराजा **सूरत सिंह** ने भी करणी माता के मंदिर को वर्तमान स्वरूप प्रदान किया। देशनोक मंदिर में स्थित **सफेद चूहे** काबा कहलाते हैं।

3. **कैला देवी को किनका अवतार माना गया है?**
(पशु परिचर (S-6) 2024)
(1) पार्वती (2) भद्रा काली
(3) दुर्गा (4) महालक्ष्मी

व्याख्या–(4) इस मंदिर का निर्माण 1900 ई. में **करौली महाराजा गोपाल सिंह** ने करवाया था। इनके मंदिर में दो मूर्तियाँ हैं, दाहिनी तरफ **कैला देवी की मूर्ति** है, जिन्हें लक्ष्मी नाम से भी जाना जाता है, बांयी तरफ **चामुंडा माता की मूर्ति** है।

4. **अष्टभुजी देवी ''जीण माता'' किस देवी का अवतार मानी जाती हैं?** **(पशु परिचर (S-5) 2024)**
(1) सरस्वती (2) दुर्गा
(3) लक्ष्मी (4) गायत्री
उत्तर–(2)

5. **'त्रिपुरा सुंदरी मंदिर' राजस्थान में कहाँ स्थित है?**
(पशु परिचर (S-2) 2024)
(1) बांसवाड़ा (2) चुरू
(3) सीकर (4) बीकानेर

व्याख्या–(1) त्रिपुरा सुन्दरी का मंदिर **उमराई गाँव** (तलवाड़ा, बांसवाड़ा) में स्थित है। यह पांचाल जाति की कुलदेवी है।

6. **उपयुक्त युग्म सुम्मेलित कीजिए।** **(ACF and FRO- 2021)**

देवता	मेला
a. जसनाथ जी	1. रेवासा (सीकर)
b. शीतला माता	2. चाकसू (जयपुर)
c. जाम्भो जी	3. मुकाम (नोखा)
d. जीण माता	4. कतरियासर (बीकानेर)

(1) a-1, b-2, c-3, d-4 (2) a-2, b-1, c-4, d-3
(3) a-3, b-4, c-1, d-2 (4) a-4, b-2, c-3, d-1
(लैब असिस्टेंट– 2019)(कनिष्ठ अनु. कोपा– 2019)
उत्तर–(4) **(Junior Instructor (Electrician) 2024)**

7. **बीकानेर राज परिवार की कुलदेवी है।**
(1) करणी माता (2) चामुण्डा देवी
(3) अन्नपूर्णा देवी (4) नागणेची जी
उत्तर–(1) **(कनिष्ठ अनुदेशक (RAT05-2024))**
(CET Graduation (S-2)-2024)

8. **राजस्थान में ''रानी भटियानी मन्दिर'' निम्नलिखित में से किस स्थान में स्थित है?** **(Stenographer-2024)**
(1) बीकानेर (2) भीलवाड़ा (3) बाड़मेर (4) भरतपुर

नोट–(3) वर्तमान में रानी भटियानी माता मन्दिर **बालोतरा** जिले में स्थित है।

9. **चन्द्र मीणा पर विजय का उत्सव मनाने के लिए कछवाहों द्वारा कौन–सा मेला शुरू किया गया?**
(1) खलकणी माता डंकी मेला (2) डिग्गी कल्याण जी मेला
(3) भार्तृहरि मेला (4) पुष्कर मेला
(CET Graduation (S-1)-2024)

व्याख्या–(1) कहा जाता है कि **500 साल** पहले **कछवाहों ने चन्द्र मीणा** को एक युद्ध में हराया था और उस खुशी में कछवाहों ने इस मेले की शुरूआत की थी।

10. **निम्नलिखित में से कौनसे युग्म सही सुमेलित हैं?**
A. ज्वाला माता मंदिर– जोबनेर
B. कैवाय माता मंदिर– किनसरिया
C. सुंधा माता मंदिर– सांभर
कूट–
(1) A, B और C (2) A और B
(3) A और C (4) B और C
(Assi. Prof. (Sanskrit) G.K.- 2024)

व्याख्या–(2) सुंधा माता मंदिर **भीनमाल** (जालौर) में स्थित है।

धींधवाल पब्लिकेशन

8 राजस्थान के सम्प्रदाय एवं संत

1. **खालसा, विरक्त, उत्तरादे, खाकी, नागा आदि किस पंथ की शाखाएँ है? (निम्न में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें)**
(कनिष्ठ अनुदेशक (सोलर टेक्नीशियन) 2025)
(1) रामदेव पंथ (2) दादू पंथ
(3) मीरा पंथ (4) सिक्ख पंथ

व्याख्या–(2) दादूपंथी की निम्न **पाँच शाखाएँ** हैं–
1. खालसा– गरीबदास जी ने प्रारम्भ किया।
2. खाकी– शरीर पर भस्म रमाते और जटा रखते हैं।
3. नागा– दादू के शिष्य बड़े सुन्दरदास जी ने नागा पंथ प्रारम्भ किया, जिसमें साधु अपने पास हथियार भी रखते हैं।
4. उत्तरादे/स्थानधारी– दादू के शिष्यों में से जो राजपूताने को छोड़कर उत्तर की तरफ चले गये और उनकी शिष्य परपंरा चली व फैली वे **'उत्तरादे'** कहलाये। शाखा के संस्थापक दादू जी के शिष्य **बनवारीदास** थे।
5. विरक्त– गृहस्थियों को उपदेश देते हैं।

2. **..... बिश्नोई संप्रदाय के संस्थापक हैं।**
(1) जाम्भोजी (2) नवलरामजी
(3) हरिदासजी (4) लालदासजी
(कनिष्ठ अनु. (CLIT-2024))(कनिष्ठ अनु.(ड्राफ्टमैन) 2025)
(महिला पर्यवेक्षक–2019)(कृषि पर्यवेक्षक– 2024)
(कनिष्ठ अनु. इले.मैकेनिक– 2019)(REET- 2022)
(वरिष्ठ अध्यापक ग्रुप– A 2017)(LDC 41- A 2018)

व्याख्या–(1) जाम्भो जी ने **समराथल (बीकानेर)** में 1485 ई. में **विश्नोई सम्प्रदाय की स्थापना** की। समराथल को **'धोक धोरा'** के नाम से भी जाना जाता है।

3. **'राजस्थान का कबीर' किसे कहा जाता है?**
(आर्थिक अन्वेषक– 2019)(EO/RO- 2023)
(1) संत हरिदास (2) जांभोजी
(3) दादू दयाल (4) लालदास
उत्तर–(3) **(कनिष्ठ अनुदेशक (मेंटेनेंस ट्रेड) 2025)**

4. **संत मावजी के चौपड़ों की भाषा है–**
(वरिष्ठ अध्यापक जीके (संस्कृत विभाग) 2024)
(1) मारवाड़ी (2) खैराड़ी (3) बागड़ी (4) मेवाड़ी

व्याख्या–(3) संत मावजी के चौपड़ों की भाषा हिन्दी–मिश्रित बागड़ी है।

5. **राजस्थान का कौन–सा प्रसिद्ध मन्दिर, मन्दिर वास्तुकला के 'हवेली' रूप का प्रतिनिधि बना? (पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) पार्श्वनाथ का मन्दिर (2) नाथद्वारा मन्दिर
(3) पुष्कर मन्दिर (4) नीलकंठ महादेव का मन्दिर

व्याख्या–(2) नाथद्वारा मंदिर का निर्माण **महाराणा राजसिंह** ने 1671–72 ई. में करवाया था। श्रीनाथजी **सात ध्वजा के स्वामी** कहलाते हैं। यहाँ श्रीनाथ जी की काले रंग की मार्बल की प्रतिमा है इस प्रतिमा की ठोडी में हीरा लगा है।

6. **महिला संत दयाबाई ..... की शिष्या थी।**
(पशु परिचर (S-6) 2024)
(1) संत राम दास (2) संत राम चरण
(3) संत निर्भयांकर (4) संत चरण दास

व्याख्या–(4) चरणदास जी की दो प्रमुख शिष्याएँ–**दयाबाई व सहजोबाई** थी। **दयाबाई** की रचना **दया बोध व विनय मालिका** तथा **सहजोबाई** की रचनाएँ **सहजप्रकाश,** सात वार निर्णय, 16 तिथि निर्णय है। दयाबाई व सहजोबाई ने अपना लेखन कार्य **मेवाती** में किया है।

7. **'समता दर्शन और व्यवहार' पुस्तक किसने लिखी?**
(पशु परिचर (S-4) 2024)
(1) आचार्य तुलसी (2) आचार्य नानेश मुनि
(3) आचार्य प्रमोद मुनि (4) आचार्य विशेष मुनि

व्याख्या–(2) आचार्य नानेश मुनि का जन्म **दातां गाँव** (मेवाड़) में हुआ। इनके पिता का नाम मोडीलाल व माता का नाम सिणगार बाई था। इन्होंने व्यक्ति से लेकर विश्व तक को अशांत वातावरण से शांत वातारण प्राप्त करने हेतु **'समता दर्शन'** का संदेश दिया।

8. **जसनाथी पंथ के प्रसिद्ध अग्नि नृत्य की उत्पत्ति राजस्थान के किस स्थान से हुई? (पशु परिचर (S-4) 2024)**
(1) बाड़मेर (2) जयपुर
(3) बूंदी (4) बीकानेर

व्याख्या–(4) जसनाथी सम्प्रदाय के कुछ अनुयायी पुरूष अग्नि नृत्य करते हैं, जो नृत्य के दौरान **फतेह–फतेह तथा सिद्ध रूस्तम जी** का उच्चारण करते है। अग्नि नृत्य को सर्वाधिक संरक्षण बीकानेर **महाराजा गंगासिंह** ने दिया था। सर्वाधिक अग्नि नृत्य **बीकानेर** जिले में ही किया जाता है।

9. **'निष्कलंक' (पवित्र और पाप रहित) नामक संप्रदाय की स्थापना किसने की? (पशु परिचर (S-4) 2024)**
(1) संत राना बाई (2) संत माव जी
(3) राम चरण जी (4) महर्षि नवलराम जी

धींधवाल पब्लिकेशन

95. **संत जाम्भोजी को समाधिस्थ किया गया था?**
(1) मुकाम में (2) पीपासर में (3) लालसर में (4) जागलू में
(JEN Agriculture- 2022)

व्याख्या–(1) 1536 ई. की मार्गशीर्ष कृष्णा नवमी को जाम्भोजी ने **लालासर** (बीकानेर) में अपना नश्वर शरीर त्याग दिया। तालवा गाँव के पास इन्हें समाधिस्थ किया गया। यह स्थान **मुकाम** कहलाता है, जहाँ इनका समाधि मंदिर बना हुआ है। प्रतिवर्ष **फाल्गुन और आश्विन की अमावस्या** को यहाँ मेले का आयोजन किया जाता है।

96. **हरनावा गांव किस संत से जुड़ा महत्त्वपूर्ण स्थल है?**
(1) मीरा (2) रानाबाई (3) लालगिरी (4) सुंदरदास
उत्तर–(2) **(JEN Agriculture- 2022)**

97. **दादूपंथ में सत्संग स्थल कहलाता है–(JEN Civil Dig. 2022)**
(1) मुक्ति धाम (2) अलख दरीबा (3) चौपड़ा (4) रामद्वारा

व्याख्या–(2) दादूपंथ में सत्संग स्थल **अलख दरीबा** तथा अभिवादन **सत्य राम** कहलाता है।

98. **हरे वृक्षों की रक्षा के लिए किस सम्प्रदाय को जाना जाता है?** **(JEN Civil Diploma- 2022)**
(1) विश्नोई (2) रामस्नेही (3) निरंजनी (4) लालदासी

व्याख्या–(1) गुरु जाम्भो जी **विश्व में पर्यावरण आन्दोलन के प्रथम प्रणेता** माने जाते हैं। इन्होंने खेजड़ी वृक्ष व वन्य जीवों के महत्त्व को समझाया। विश्नोई **खेजड़ी की पूजा** करते हैं। जाम्भो जी ने संसार को **गोवलवास** (अस्थाई निवास) बताया है

99. **जीवन भर दूल्हे के वेश में रहते हुए दादू के उपदेशों का बखान करने वाले संत कौन थे? (JEN Elect. Digree- 2022)**
(1) सुन्दर दास जी (2) रज्ज़ब जी
(3) रामपाल दास जी (4) माधोदास जी

व्याख्या–(2) रज्जब जी आमेर राज्य की सेना के मुख्य सेनापति के पुत्र थे, विवाह करने जाते समय **दादु जी** के उपदेशों से प्रभावित होकर उनके शिष्य बन गये थे और **रज्जब जी आजीवन दुल्हे के वेश में** रहे।

100. **मुकाम प्रसिद्ध है–** **(वरिष्ठ अध्यापक जीके ग्रुप– B 2018)**
(1) जैनियों के लिए (2) बिश्नोइयों के लिए
(3) सिक्खों के लिए (4) जसनाथियों के लिए
(JEN Elect. Diploma- 2022)

व्याख्या–(2) मुकाम विश्नोइयों के लिए प्रसिद्ध है। जहाँ विश्नोई सम्प्रदाय के प्रवर्तक **जाम्भोजी/जम्भेश्वर** की समाधि मंदिर बना हुआ है। जाम्भोजी का मेला फाल्गुन अमावस्या व आश्विन अमावस्या को **मुकाम** में भरता है। यह मेला **'विश्नोईयों का कुम्भ'** कहलाता है।

101. **'रज्जब वाणी' पुस्तक किस पंथ/संप्रदाय से संबंधित है?**
(1) दादू (2) विश्नाई (3) रामस्नेही (4) निम्बार्क
(कनिष्ठ अनुदेशक (कार्यशाला गणना एवं विज्ञान)–2022)

व्याख्या–(1) रज्जब जी के उपदेश– **रज्जब वाणी, सर्वगी (सब्बंगी)** है। **अंगवधू** में इन्होने दादु की रचनाओं को संकलित किया। इनके अनुयायी **रज्जबपंथी** कहलाते हैं।

102. **राजस्थान के कौन से प्रसिद्ध सन्त बीकानेर के कतरियासर से संबंधित है?(COMPUTER GK- 2018)(लैब असिस्टेंट–2022)**
(1) हरि दास (2) सिद्ध जसनाथ (3) जांभोजी (4) दरियावजी
उत्तर–(2)

103. **खालसा, खाकी, नागा राजस्थान के किस संप्रदाय के भाग है?** **(लैब असिस्टेंट–2022)**
(1) रामस्नेही संप्रदाय (2) दादू पंथ
(3) चरणदासी संप्रदाय (4) लालदासी संप्रदाय
उत्तर–(2)

104. **निम्नलिखित में से कौन सा कथन संत दादू दयाल के बारे में सही नहीं है?** **(राजस्थान पुलिस– 2022)**
(1) उन्हें करुणा के संत के रूप में जाना जाता है।
(2) उनका जन्म इलाहाबाद में 1544 ईस्वी में हुआ था।
(3) वह दादू–पंथ के संस्थापक थे।
(4) वह 1603 ईस्वी में अपनी मृत्यु तक राजस्थान राज्य के नारायण में रहे।

व्याख्या–(2) संत दादूदयाल का जन्म **अहमदाबाद** में 1544 ई. (फाल्गुन शुक्ल अष्टमी) में हुआ था।

105. **निम्नलिखित में से कौन, राजस्थान के संत नहीं है?**
(1) संत पीपाजी (2) संत चरण दास
(3) संत बसवेश्वर (4) संत मावजी
(राजस्थान पुलिस– 2022)

व्याख्या–(3) संत बसवेश्वर का सम्बन्ध **बीजापुर** (कर्नाटक) से है।

106. **'धर्म जहाज', 'भक्ति पदारथ' एवं 'नासकेत लीला' रचनाएं निम्न में से किस संत की हैं?(व्याख्याता GK & GS 2022)**
(1) लालदास (2) रामचरण (3) सुन्दरदास (4) चरणदास

व्याख्या–(4) चरणदासजी के प्रमुख ग्रन्थ– **अष्टांग योग, योग संदेह सागर, ब्रह्म ज्ञान सागर, ब्रह्म चरित्र, भक्ति सागर, ज्ञान स्वरोदय, धर्म जहाज, सबद, भक्ति पदारथ।**

107. **निम्नांकित संतों को उनकी जाति से सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिये गये सही कूट का चयन कीजिए :**

(संत)	(जाति)(Agri. Officer- 2021)
(A) जसनाथ	(i) पठान
(B) लालदास	(ii) जाट
(C) रज्जब	(iii) मिरासी
(D) बखना	(iv) मेव

उत्तर–(A)-II, (B)-IV, (C)-I, (D)-III

9 राजस्थान के मुस्लिम पीर, मस्जिदें, दरगाह, मीनार एवं मकबरे

1. **अजमेर शरीफ का वार्षिक उर्स और गलियाकोट पुष्कर मेला आयोजित होता है–** **(Stenographer-2024)**
(1) सिरोही में (2) जोधपुर में (3) अजमेर में (4) जैसलमेर में

व्याख्या–(3) इस प्रश्न की भाषा स्पष्ट नहीं है। अजमेर का उर्स तथा पुष्कर का मेला अजमेर जिले में आयोजित होते हैं तथा गलियाकोट का उर्स डूंगरपुर जिले में आयोजित होता है।

2. **अजमेर शरीफ में उर्स का आयोजन किस सूफी संत की स्मृति में किया जाता है? (निम्न में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें)** **(महिला पर्यवेक्षक– 2024)**
(1) ख्वाजा रईस अहमद (2) शरीफ–ए–आलम
(3) ख्वाजा मोइन–उद–दीन चिश्ती
(4) ख्वाजा शरीफ दरगाह

व्याख्या–(3) ख्वाजा साहब का उर्स– रजब्ब माह की पहली तारीख से 6 तारीख तक अजमेर में लगता है। यह दरगाह **साम्प्रदायिक सद्भाव का स्थल** है। यहाँ लगने वाला विश्व प्रसिद्ध उर्स पूरे भारत में मुस्लिम समुदाय का सबसे बड़ा मेला है।

3. **सूची–I (महत्त्वपूर्ण स्थान) के साथ सूची–II (किसके द्वारा निर्माण किया गया) का मिलान कीजिए–**

(a) जयगढ़ का किला	(i) कुतुबुद्धीन ऐबक
(b) हवा महल	(ii) सुल्तान गियासुद्दीन खिलजी
(c) अढ़ाई दिन का झोपड़ा	(iii) मिर्जा राजा जय सिंह
(d) अजमेर शरीफ दरगाह	(iv) महाराजा सवाई प्रताप सिंह

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(1) a–III, b–IV, c–II, d–I
(2) a–III, b–IV, c–I, d–II
(3) a–III, b–II, c–IV, d–I
(4) a–III, b–I, c–IV, d–II
उत्तर–(2) **(Jurnior Accountant- 2024)**

4. **ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में 'बुलन्द दरवाजे' का निर्माण किसने करवाया?** **(Assi. Prof.- 2024)**
(1) सुल्तान महमूद खिलजी (2) ग्यासुद्दीन खिलजी
(3) अकबर (4) शाहजहाँ

नोट–(1) राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति कक्षा–10 के अनुसार बुलन्द दरवाजे का निर्माण **'सुल्तान महमूद खिलजी'** द्वारा करवाया गया था।
राजस्थान सुजस के अनुसार बुलन्द दरवाजे का निर्माण **'सुल्तान ग्यासुद्दीन खिलजी'** द्वारा करवाया गया था।

5. **दरगाह जिसे अब्दुला पीर के नाम से जाना जाता है बोहरा मुस्लिम संत अब्दुल रसुल का लोकप्रिय मकबरा किस शहर में स्थित है?** **(EO/RO- 2023)**
(1) अलवर (2) बाड़मेर
(3) झालावाड़ (4) बांसवाड़ा

व्याख्या–(4) बोहरा मुसलमानों के लिए बांसवाड़ा में अब्दुला पीर दरगाह का ऐतिहासिक महत्त्व है इसे **अब्दुल रसूल** की दरगाह के रूप में भी जाना जाता है।

6. **साम्प्रदायिक सौहार्द के प्रतीक काजी हमीदुद्दीन नागौरी, किस सूफी सिलसिले के थे?** **(CET Graduation- 2023)**
(1) चिश्ती (2) कादिरी
(3) मगरिबी (4) सुहरावर्दी

व्याख्या–(4) नागौर में **सुहरावर्दी सूफी सिलसिले** के संस्थापक काजी हम्मीदुदीन नागौरी थे। इन्होंने नागौर को **सुहरावर्दी सूफी शाखा** को केन्द्र बनाकर सूफी सिद्धान्तों का राजस्थान में प्रचार किया।

7. **मलिक शाह की मस्जिद कहाँ स्थित है?**
(1) झालावाड़ (2) बारां
(3) जालौर (4) राजसमंद
(CET Graduation- 2023)

व्याख्या–(3) संत मलिक शाह की दरगाह **जालौर दुर्ग** में स्थित है। अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में बगदाद के सुल्तान **मलिक शाह** के सम्मान में बनवाई थी।

8. **'बीबी जरीना का मकबरा' कहाँ स्थित है?**
(1) धौलपुर (2) अलवर
(3) दौसा (4) करौली
उत्तर–(1) **(REET L- 1 2023)**

9. **बोहरा मुस्लिम संत अब्दुला पीर का मकबरा स्थित है–**
(1) अजमेर में (2) डूंगरपुर में
(3) बांसवाड़ा में (4) राजसमन्द में
(REET L- 2 (SST) 2023)

व्याख्या–(3) बोहरा मुस्लिम संत अब्दुला पीर का मकबरा/मजार **भगवानपुरा** (बांसवाड़ा) में स्थित है।

10. **''अढ़ाई दिन का झोपड़ा'' कहाँ स्थित है?**
(1) अजमेर (2) दिल्ली
(3) कन्नोज (4) बदायूँ
(REET L- 2 (SST) 2023)

10 राजस्थान के मंदिर

1. **कॉलम–I (मेला) में मेला को कॉलम–II (स्थान) में स्थान से मिलान कीजिए–** **(कनिष्ठ अनुदेशक (ड्राफ्टमैन) 2025)**

(i) कल्याणजी	(a) देशनोक (बीकानेर)
(ii) कपील मुनि	(b) चंदनगांव (करौली)
(iii) श्री महावीरजी	(c) कोलायत (बीकानेर)
(iv) करणी माता	(d) डिग्गी (टोंक)

निम्न में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें:

(1) (i)–(c), (ii)–(a), (iii)–(d), (iv)–(b)
(2) (i)–(d), (ii)–(c), (iii)–(b), (iv)–(a)
(3) (i)–(d), (ii)–(a), (iii)–(b), (iv)–(c)
(4) (i)–(b), (ii)–(c), (iii)–(a), (iv)–(d)

उत्तर–(2)

2. **निम्नलिखित में से कौन–सा मंदिर मुगल स्थापत्य शैली से प्रभावित है?** **(कनिष्ठ अनुदेशक (ड्राफ्टमैन) 2025)**

(1) बाणमाता मंदिर (2) जगत शिरोमणि मन्दिर
(3) रणकपुर के मन्दिर (4) कुम्भश्याम मन्दिर

उत्तर–(2)

3. **बाडोली का शिव मन्दिर किस नदी के कांटे पर स्थित है?**

(1) बेड़च (2) चम्बल (3) लूणी (4) बनास

उत्तर–(2) **(कनिष्ठ अनुदेशक (मेंटेनेंस ट्रेड) 2025)**

4. **'गुलाब श्याम का वैष्णव मंदिर' स्थित है–**

(1) चावंड में (2) उदयपुर में
(3) चित्तौड़ में (4) गोगुन्दा में

उत्तर–(4) **(वरिष्ठ अध्यापक जीके (संस्कृत विभाग) 2024)**

5. **राजस्थान का "त्रिनेत्र गणेश जी" मंदिर कहाँ स्थित है?** **(PTI Grade III - 2022)(पशु परिचर (S-6) 2024)**

(1) कुंभलगढ़ किला (2) जैसलमेर किला
(3) रणथंभौर किला (4) भानगढ़ किला

व्याख्या–(3) यह भारत का **सबसे प्राचीन गणेश मंदिर** व **एकमात्र त्रिनेत्र गणेश मंदिर** है। इस मंदिर में प्रतिमा का सिर्फ मुख है। यहाँ **भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी** (गणेश चतुर्थी) को मेला भरता है। मंदिर के निर्माण को लेकर प्रामाणिक जानकारी नहीं मिलती है, इसलिए इसे **चौहान शासकों द्वारा निर्मित** होने का अनुमान किया जाता है।

6. **8वीं शताब्दी में बप्पा रावल द्वारा किस प्रसिद्ध मंदिर का निर्माण करवाया गया?** **(पशु परिचर (S-5) 2024)**

(1) ऋषभदेव मंदिर (2) एकलिंगजी मंदिर
(3) श्रीनाथजी मंदिर (4) जगदीश मंदिर

व्याख्या–(2) एकलिंगजी मंदिर का निर्माण **बप्पा रावल** ने 734 ई. में करवाया था। एकलिंग जी मेवाड़ के महाराणाओं के **इष्टदेव/गुहिल वंश के कुल देवता** हैं। यह पाशुपत सम्प्रदाय/लकुलिश सम्प्रदाय का मंदिर है।

7. **सालासर हनुमानजी का मेला कहाँ लगता है?**

(1) चुरू (2) उदयपुर
(3) पाली (4) करौली

उत्तर–(1) **(पशु परिचर (S-3) 2024)**

8. **भरतपुर के गंगा मंदिर का निर्माण महाराजा बलवन्त सिंह द्वारा 1845 में शुरू किया गया था और निर्माण कार्य ..... जारी रहा।** **(पशु परिचर (S-1) 2024)**

(1) 90 वर्ष तक (2) 10 वर्ष तक
(3) 20 वर्ष तक (4) 60 वर्ष तक

व्याख्या–(1) गंगा मंदिर का निर्माण **महाराजा बलवन्त सिंह** 1845 ई. में प्रारम्भ करवाया था। 12 फरवरी, 1937 ई. को **महाराजा ब्रजेन्द्र सिंह** ने इसमें गंगा की मूर्ति को स्थापित करवाया। इस प्रकार इस मंदिर का निर्माण कार्य **90 वर्षों तक** चलता रहा।

9. **ब्रह्मा मन्दिर राजस्थान के किस क्षेत्र में स्थित है?** **(कनिष्ठ अनुदेशक इले.मैकेनिक– 2019)(पशु परिचर (S-1) 2024)**

(1) बांसवाड़ा (2) जयपुर
(3) पुष्कर (4) अलवर

व्याख्या–(3) पुष्कर झील के पास स्थित 14वीं शताब्दी में निर्मित इस मंदिर का निर्माण **आदि गुरु शंकराचार्य** द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर का वर्तमान स्वरूप **गोकुल चंद पारीक** ने 1809 ई. में बनवाया। इसमें ब्रह्मा जी की **आदमकद चौमुखी मूर्ति** स्थापित है। भारतीय पुरातत्त्व विभाग द्वारा इसे **'राष्ट्रीय महत्व का स्मारक'** घोषित किया गया है।

10. **झालावाड़ का कोल्वी गाँव किस लिये प्रसिद्ध है?** **(Junior Instructor (Electrician) 2024)**

(1) सूर्य मंदिर (2) जैन गुफाएँ
(3) मिठेशा का मकबरा (4) प्राचीन बौद्ध गुफाएं

व्याख्या–(4) झालावाड़ के डग क्षेत्र में कौल्वी, बिनायगा, हथियागौड़ व गुनई में प्राचीन बौद्ध गुफाएँ व स्तूप स्थित हैं, इन्हें **'राजस्थान का ऐलोरा'** कहा जाता है। ये बौद्ध गुफाएँ 7वीं शताब्दी की मानी गई हैं।

197. **"बारह देवरा" नामक शिव मन्दिर समूह स्थित है–**
(1) बैंगू (2) लाडनू (3) जहाजपुर (4) नोहर
उत्तर–(3) **(महिला पर्यवेक्षक– 2015)**

198. **कैवायमाता मन्दिर का निर्माण करवाया था–**
(1) देवदत्त ने (2) चच्च ने
(3) भीमदेव ने (4) शलिवाहन ने
(महिला पर्यवेक्षक– 2015)

व्याख्या–(2) कैवायमाता का मन्दिर **किणसरिया** (परबतसर, डीडवाना–कुचामन) में स्थित है। यह **दहिया राजवंश** की कुलदेवी है। यहाँ 999 ई. का एक शिलालेख मिला है, जो चौहान राजा **दुर्लभराज** और उसके दहिया सामंत **चच्च** का उल्लेख करता है।

199. **"देवताओं की साल" स्थित है– (महिला पर्यवेक्षक– 2015)**
(1) पुष्कर (2) झालरापाटन (3) नाथद्वारा (4) मण्डोर
उत्तर–(4)

200. **राजस्थान का सबसे प्राचीन ज्ञात मन्दिर शीतलेश्वर महादेव मन्दिर की तिथि है– (महिला पर्यवेक्षक– 2015)**
(1) 689 ई. (2) 699 ई. (3) 789 ई. (4) 799 ई.
उत्तर–(1)

201. **माउन्ट आबू (राजस्थान) में दिलवाड़ा मंदिर प्रसिद्ध है–**
(1) जैन मंदिर में कला हेतु (2) बौद्ध स्थापत्य कला
(3) राजपूत कला (4) मुस्लिम कला
उत्तर–(1) **(वरिष्ठ अध्यापक– 2013)**

202. **जोधपुर के निकट ओसियां में मंदिरों का निर्माण कराया गया–**
(1) राठौड़ों द्वारा (2) प्रतिहारों द्वारा
(3) कच्छवाहों द्वारा (4) चौहानों द्वारा
उत्तर–(2) **(वरिष्ठ अध्यापक– 2013)**

203. **गलत युग्म पहचानियेः** **(AEN Pre. - 2013)**
(1) सहस्त्रबाहु मन्दिर : नागदा (2) महानालेश्वर मन्दिर : मेनाल
(3) सोमेश्वर मन्दिर : सिरोही (4) घाटेश्वर मन्दिर : बड़ोली

व्याख्या–(3) सोमेश्वर मन्दिर **किराडू** (बाड़मेर) में स्थित है।

204. **सुमेलित कीजिये :** **(AEN Pre. - 2013)**

(A) मालकोट किला	(I) सीकर
(B) रेगिस्तानी राष्ट्रीय पार्क	(II) अजमेर
(C) वराह मंदिर	(III) जैसलमेर
(D) ओमल–सोमल देवी मन्दिर	(IV) नागौर

उत्तर– (A)–(IV), (B)–(III), (C)–(II), (D)–(I)

205. **राजस्थान में 'विट्ठल भगवान का मन्दिर' कहाँ पर स्थित है?**
(1) कोटपूतली (जयपुर) (2) ओर गाँव (सिरोही)
(3) कैथून (कोटा) (4) नागदा (उदयपुर)
उत्तर–(2) **(ACF- 2013)**

206. **निम्नलिखित में से गलत युग्म की पहचान कीजिए–**
(1) शिलादेवी– आम्बेर (2) सकराय माता– झुंझुनूं
(3) शीतला माता– डूंगरपुर (4) सचियाय माता– ओसियां
(ACF- 2013)

व्याख्या–(3) शीतला माता मन्दिर **चाकसु** (जयपुर) में स्थित है।

207. **सूची–I और सूची–II को सुमेलित कीजिये– (RAS Pre.- 2013)**

सूची–I	सूची–II
(A) द्वारकाधीश	(i) कोटा
(B) श्रीनाथजी	(ii) नाथद्वारा
(C) मथुराधीश	(iii) जयपुर
(D) गोविन्द देवजी	(iv) कांकरोली

उत्तर– (A)–(iv), (B)–(ii), (C)–(i), (D)–(iii)

208. **आबू के प्रसिद्ध मंदिर– विमल–वसही और लूण–वसही हैं?**
(1) वैष्णव मंदिर (2) शैव मंदिर (3) बौद्ध मंदिर (4) जैन मंदिर
उत्तर–(4) **(Steno-2013)**

209. **गलता तीर्थ पर स्थित मंदिर किस देवता को समर्पित है?**
(1) श्री राम (2) श्री कृष्ण (3) अग्नि (4) सूर्य
उत्तर–(4) **(Steno-2013)**

210. **निम्नलिखित में से कौन–सा युग्म सही नहीं है?**
(1) सूर्य मंदिर : ओसियां (2) सोमेश्वर मंदिर : किराडू
(3) घाटेश्वर मंदिर : बाडोली (4) जगत शिरोमणि मंदिर : उदयपुर
(PTI - II Grade- 2012)

व्याख्या–(4) जगत शिरोमणि मन्दिर **आमेर** (जयपुर) में स्थित है।

211. **निम्नलिखित में से गलत युग्म को पहचानिए–**
(1) सूर्य मंदिर : ओसियां (2) देलवाड़ा मंदिर : आबू
(3) महानालेश्वर मंदिर : मेनाल (4) जगत शिरोमणि मंदिर : अजमेर
(PTI Grade III - 2012)

व्याख्या–(4) जगत शिरोमणि मन्दिर **आमेर** (जयपुर) में स्थित है।

212. **आभानेरी पर्यटन स्थल जिसके लिये प्रसिद्ध हैः**
(1) मध्यकालीन दुर्ग (2) 8वीं शताब्दी के मंदिर
(3) पर्वतीय क्षेत्र (4) चित्रकला
(Asst. Agri. Officer -2011)

व्याख्या–(2) आभानेरी की शान और पहचान हर्षद् माता का मन्दिर एक ऊँचे और विशाल आयताकार चबुतरे पर बना है। **8वीं** से **9वीं** शताब्दी के लगभग बना यह मन्दिर अपने उत्कर्ष काल में अपने अनूठे स्थापत्य और कलात्मक वैभव के लिए प्रसिद्ध है।

213. **'सोनीजी की जैन नसियाँ' स्थित हैः**
(1) सिरोही (2) रणकपुर (3) अजमेर (4) कोटा
उत्तर–(3) **(Asst. Agri. Officer -2011)**

11 राजस्थान के त्योहार व मेले

1. **बीकानेर स्थापना दिवस किस तिथि को मनाया जाता है?** **(कनिष्ठ अनुदेशक (ड्राफ्टमैन) 2025)**
(1) वैशाख शुक्ल तृतीया (2) कार्तिक पूर्णिमा
(3) चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (4) फाल्गुन पूर्णिमा

व्याख्या–(1) वैशाख शुक्ल तृत्तीया के दिन राजस्थान में सर्वाधिक बाल विवाह होते हैं, इस दिन **अबूझ सावा** होता है, परशुराम जयन्ती भी इसी दिन है। यह **सतयुग, त्रेतायुग** के आरम्भ का प्रथम दिन है।

2. **पूरे राजस्थान में किसकी याद में "गोगा नवमी" मनायी जाती है?** **(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) देवनारायणजी (2) तेजाजी
(3) गोगाजी (4) पाबूजी

व्याख्या–(3) भाद्रपद कृष्ण नवमी को **ददरेवा** (चुरू), **गोगामेड़ी** (हनुमानगढ़) में मेला भरता है।

3. **राजस्थान के किस शहर में प्रतिवर्ष "मरुस्थल महोत्सव" आयोजित किया जाता है?** **(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) पोखरण (2) जोधपुर
(3) जैसलमेर (4) बाड़मेर
उत्तर–(3)

4. **राजस्थान का कौन–सा शहर प्रतिवर्ष उष्ट्र महोत्सव की मेजबानी करता है?** **(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) जैसलमेर (2) झुंझुनूं
(3) सीकर (4) बीकानेर

व्याख्या–(4) **31वें** अंतर्राष्ट्रीय ऊँट महोत्सव का आयोजन **10–12 जनवरी, 2025** तक बीकानेर में किया गया। इस महोत्सव में मिस्टर बीकाणा का खिताब **योगेश सेवग** व मिस मरवण का खिताब **महक दफ्तरी** द्वारा जीता गया।

5. **राजस्थान में वर्ष 2025 (अंग्रेजी कैलेण्डर) के अनुसार निम्न में से सबसे पहले आने वाले उत्सव/पर्यटन कार्यक्रम का चयन करें–** **(पशु परिचर (S-5) 2024)**
(1) ब्रज होली महोत्सव (2) ऊँट उत्सव
(3) पतंग महोत्सव (4) बेणेश्वर मेला
उत्तर–(2)

6. **राजस्थान का त्योहार 'तीज' किस माह में मनाया जाता है?** **(महिला पर्यवेक्षक–2019) (पशु परिचर (S-5) 2024)**
(1) फाल्गुन (2) श्रावण
(3) चैत्र (4) कार्तिक

व्याख्या–(2) श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन जयपुर की प्रसिद्ध **तीज की सवारी** निकलती है। त्योहारों के चक्र की शुरुआत श्रावण की तीज से मानी जाती है।

7. **कार्तिक पूर्णिमा को कपिल मुनि मेला कहाँ लगता है?**
(1) सीकर में रेवासा (2) जयपुर में चाक्सु
(3) बीकानेर में कोलायत (4) टोंक में डिग्गीपुरी
उत्तर–(3) **(पशु परिचर (S-5) 2024)**

8. **"सात वार नौ त्योहार" यह कहावत भारत के किस राज्य से सम्बन्धित है?** **(पशु परिचर (S-4) 2024)**
(1) ओडिशा (2) गुजरात
(3) राजस्थान (4) बिहार

व्याख्या–(3) राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है– 'सात वार नौ त्योहार' अर्थात् सप्ताह के **7 दिनों** में यहाँ **9** त्योहार होते है। ये त्योहार, उत्सव व मेले इस प्रकार रचे गये है कि मौसम, समय तथा लोक भावना सबका संतुलन इनमें दिखाई देता है।

9. **राजस्थान में देवी सांझी किसका अवतार है?**
(वरिष्ठ अध्यापक ग्रुप–C- 2023)(पशु परिचर (S-4) 2024)
(1) सीता (2) पार्वती (3) लक्ष्मी (4) ऊषा

व्याख्या–(2) भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन अमावस्या तक (16 दिन) कुंवारी कन्याएँ भाँति–भाँति प्रकार की गोबर से सांझियाँ बनाती हैं व पूजा करती हैं। सांझी के रूप में देवी पार्वती का पूजन किया जाता है। **मेवाड़** व **मालवा इलाके** में सर्वाधिक सांझी पूजन होता है।

10. **पुष्कर मेले का आयोजन कहाँ होता है?**
(1) बीकानेर में (2) जोधपुर में
(3) उदयपुर में (4) अजमेर में
उत्तर–(4) **(पशु परिचर (S-4) 2024)**

11. **सूची–I (त्योहार) के साथ सूची–II (स्थान) का मिलान कीजिए–** **(पशु परिचर (S-3) 2024)**

a. ग्रीष्म और शीत उत्सव	I. बीकानेर
b. कजली तीज	II. झालावाड़
c. कोलायत मेला	III. माउंट आबू
d. चन्द्रभागा मेला	IV. बूंदी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनिए:
(1) a-I, b-II, c-III, d-IV (2) a-III, b-I, c-II, d-IV
(3) a-IV, b-III, c-I, d-II (4) a-III, b-IV, c-I, d-II
उत्तर–(4)

148. **कौनसा मेला भाद्रपद मास में आयोजित किया जाता है?**
(1) जसवंत पशु मेला (2) बाणगंगा मेला
(3) घुड़ला मेला (4) भर्तृहरि का मेला
उत्तर–(4) **(जेल प्रहरी P-6 2017)**

149. **बून्दी महोत्सव का आयोजन किस माह में होता है?**
(1) अप्रैल (2) फरवरी (3) जून (4) दिसम्बर
(जेल प्रहरी P-8 2017)

व्याख्या–(4) बूँदी महोत्सव का आयोजन **18–20 नवम्बर, 2024** को बूँदी में किया गया।

150. **निम्नलिखित में से कौन सा राजस्थान से सम्बन्धित नहीं है?** **(REET L- 1 2017)**
(1) बेणेश्वर मेला (2) पुष्कर मेला
(3) खेजड़ली मेला (4) माघ मेला

व्याख्या–(4) माघ मेला **प्रयागराज** (उत्तरप्रदेश) से संबंधित है।

151. **जलझूलनी एकादशी त्योहार राजस्थान में कब मनाया जाता है?** **(JEN Civil Diploma- 2016)**
(1) आश्विन शुक्ल एकादशी (2) कार्तिक शुक्ल एकादशी
(3) भाद्रपद शुक्ल एकादशी (4) श्रावण शुक्ल एकादशी

व्याख्या–(3) जलझूलनी/देवझूलनी एकादशी **भाद्रपद शुक्ल एकादशी** को मनाई जाती है। भगवान विष्णु को बेवाण में बैठाकर जलाशय में स्नान करवाया जाता है।

152. **मालपुरा तहसील में स्थित डिग्गीपुरी में कल्याणजी का मेला किस भगवान के स्वरूप में मनाया जाता है?**
(1) भगवान विष्णु (2) भगवान शिव
(3) भगवान लक्ष्मण (4) भगवान इन्द्र
उत्तर–(1) **(JEN Mech. Degree- 2016)**

153. **'बूढ़ी तीज' मनायी जाती है:–**
(1) भाद्रपद कृष्ण तृतीया (2) श्रावण शुक्ल तृतीया
(3) श्रावण कृष्ण तृतीया (4) भाद्रपद शुक्ल तृतीया
उत्तर–(1) **(महिला पर्यवेक्षक–2015)(JEN civil degree-2016)**

154. **'हरियाली तीज' मनायी जाती है:–**
(1) श्रावण शुक्ल तृतीया (2) भाद्रपद शुक्ल तृतीया
(3) श्रावण कृष्ण तृतीया (4) भाद्रपद कृष्ण तृतीया
(JEN civil Diploma -2016)

व्याख्या–(1) छोटी तीज/हरियाली तीज **श्रावण शुक्ल तृत्तीया** को मनाई जाती है।

155. **जैन समुदाय द्वारा पर्युषण पर्व जिस माह में मनाया जाता है:**
(1) अश्विन मास (2) श्रावण मास
(3) कार्तिक मास (4) भाद्रमास
उत्तर–(4) **(Ass. Jailor- 2016)**

156. **निम्नलिखित में से कौनसा त्योहार होली के लगभग एक पखवाड़ा बाद मनाया जाता है?**
(1) घुड़ला (2) अक्षय तृतीया (3) गणगौर (4) तीज
(PTI - II Grade- 2012)(Clerk Grade II - 2016)

व्याख्या–(3) गीतों का त्योहार गणगौर होली दहन के बाद शुरू होता है। गणगौर **चैत्र कृष्णा प्रतिपदा** से शुरू होकर **चैत्र शुक्ल तृतीया** तक चलता है।

157. **'गणगौर' का त्योहार किस महीनें में मनाया जाता है?**
(1) भाद्रपद (2) कार्तिक (3) फाल्गुन (4) श्रावण
(Librarian Grade-III 2016)

नोटः–(डिलीट) गणगौर का त्योहार **चैत्र माह** में मनाया जाता है परन्तु विकल्प में चैत्र माह नहीं होने पर यह प्रश्न डिलीट किया गया।

158. **कौन सा मेला वर्ष में दो बार आयोजित होता है?**
(1) बाणगंगा (2) श्रीमहावीर जी
(3) कैला देवी (4) करणी माता
(कॉलेज व्याख्याता जीके– 2016)

व्याख्या–(4) करणी माता का मेला प्रतिवर्ष **(चैत्र व आश्विन)** नवरात्रों में आयोजित होता है।

159. **सवाई भोज का मेला भीलवाड़ा (आसींद) में प्रतिवर्ष किस समय लगता है?** **(Investigator- 2016)**
(1) भाद्रपद्र शुक्ल अष्टमी (2) भाद्रपद्र शुक्ल सप्तमी
(3) भाद्रपद्र कृष्ण अष्टमी (4) भाद्रपद्र कृष्ण सप्तमी

व्याख्या–(2) देव नारायणजी का मुख्य मंदिर सवाई भोज का मंदिर **आसींद (भीलवाड़ा)** में स्थित है। यहाँ प्रतिवर्ष **भाद्रपद शुक्ल सप्तमी** को मेला लगता है।

160. **राजस्थान में 'घुड़ला त्योहार' कब मनाया जाता है?**
(1) श्रावण शुक्ल अष्टमी (2) श्रावण कृष्ण अष्टमी
(3) चैत्र कृष्ण अष्टमी (4) भाद्रपद शुक्ल अष्टमी
(AEN Pre. - 2013)(महिला पर्यवेक्षक– 2015)(पटवार– 2016)
उत्तर–(3)

161. **निम्नलिखि कथनों में कौनसा कथन/कौनसे कथन हिन्दू त्योहारों के बारे में सही है।** **(पटवार– 2016)**
(i) अक्षय तृतीया– वैशाख मास की शुक्ल पक्ष तृतीया
(ii) निर्जला एकादशी– ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष एकादशी
(iii) अक्षय तृतीया– चैत्र मास की शुक्ल पक्ष तृतीया
(iv) निर्जला एकादशी– आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष एकादशी
(1) (i) और (ii) (2) (iii) और (iv)
(3) केवल (iii) (4) (i) और (iv)
उत्तर– (1)

12 राजस्थान की चित्रकला शैलियाँ

1. **कॉलम I में राजस्थानी चित्रकला की स्कूल को कॉलम II में चित्रकला की शैली से मिलान कीजिए–**

1. हाड़ौती स्कूल	a. शेखावाटी शैली
2. ढूंढाड़ स्कूल	b. चावंड शैली
3. मारवाड़ स्कूल	c. कोटा शैली
4. मेवाड़ स्कूल	d. जैसलमेर शैली

(A) 1-a, 2-b, 3-d, 4-c (B) 1-c, 2-a, 3-d, 4-b
(C) 1-d, 2-c, 3-b, 4-a (D) 1-b, 2-c, 3-a, 4-d

उत्तर–(B) **(कनिष्ठ अनुदेशक (सोलर टेक्नीशियन) 2025)**

2. **निम्नलिखित में से किस चित्रकला शैली पर मुगल प्रभाव नहीं है?** **(कनिष्ठ अनुदेशक (ड्राफ्टमैन) 2025)**
(1) जैसलमेर शैली (2) अलवर शैली
(3) आमेर शैली (4) जयपुर शैली

व्याख्या–(1) जैसलमेर शैली का **स्वर्णकाल मूलराज द्वितीय** का शासनकाल माना जाता है। इस शैली पर कभी मुगल शैली व जोधपुर शैली का प्रभाव नहीं पड़ा, बाहरी शैलियों से **सबसे कम प्रभावित** शैली है, यह एकदम स्थानीय शैली है।

3. **निम्नलिखित में से किस चित्रशैली में 'फरुखफाल का चित्र' मिलता है जिस पर "आसिफ खाँ रो बेटो" लिखा हुआ है?**
(1) जयपुर (2) जैसलमेर (3) अलवर (4) मेवाड़
उत्तर–(4) **(वरिष्ठ अध्यापक जीके (संस्कृत विभाग) 2024)**

4. **किशनगढ़ चित्रकला शैली को उसके चरमोत्कर्ष पर ले जाने का श्रेय निम्न में से किसे दिया जाता है?** **(कनिष्ठ अनुदेशक (MD-2024))(पशु परिचर (S-2) 2024)**
(1) मूल चन्द (2) चन्दन सिंह (3) उदय सिंह (4) निहाल चन्द

व्याख्या–(4) किशनगढ़ रियासत की स्थापना जोधपुर के राजा उदयसिंह राठौड़ के आठवें पुत्र **किशनसिंह** ने 1609 ई. में की थी। किशनगढ़ शैली को प्रकाश में लाने का श्रेय **एरिक डिक्सन** व **फैयाज अली** को जाता है।

5. **राजस्थान चित्रकला का प्रथम वैज्ञानिक वर्गीकरण किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया था?** **(पशु परिचर (S-1) 2024)**
(1) राय कृष्ण दास (2) विजय कुमार
(3) डब्ल्यू. एच. ब्राउन (4) आनन्द केंटिश कुमारस्वामी
(VDO 28-12-2021)

व्याख्या–(4) राजस्थानी चित्रकला का सबसे पहले वैज्ञानिक विभाजन **आनन्द कुमार स्वामी** ने '**राजपूत पेंटिंग्स**' नामक पुस्तक में 1916 ई. में किया था। आनन्द कुमार स्वामी, ओ. सी. गांगुली व हैवल ने इसे '**राजपूत चित्रकला**' कहा है।

6. **रुकनुद्दीन राजस्थानी चित्रकला की किस शैली से सम्बद्ध था?** **(Junior Instructor (Electrician) 2024)**
(1) बीकानेर शैली (2) मेवाड़ शैली
(3) जोधपुर शैली (4) बूंदी शैली

व्याख्या–(1) बीकानेर शैली के प्रसिद्ध चित्रकार– अली रजा, हामिद रूकनुद्दीन, हसन, आसीर खाँ, रामलाल, शाह मोहम्मद, नूर मोहम्मद, रसीद, गंगाराम, रहिम खान, नाथू, मुराद, कायम, लूफा, **अहमद उमरानी**, कासिम उमरानी, अब्दुला।

7. **'मूमल' किस चित्रकला शैली का प्रमुख चित्र है?** **(Junior Instructor (Workshop) 19.11.2024)**
(1) कोटा शैली (2) जैसलमेर शैली
(3) किशनगढ़ शैली (4) बून्दी शैली

व्याख्या–(2) 'मूमल' जैसलमेर शैली का प्रमुख चित्र है। यहाँ लोद्रवा की **राजकुमारी मूमल** के सर्वाधिक चित्र पाए जाते हैं।

8. **बीकानेर शैली का समृद्ध.....रूप के शासन काल में दिखाई देता है।**
(1) महाराजा रायसिंह (2) महाराजा अनूप सिंह
(3) महाराजा पृथ्वीराज (4) राव कल्याणमल
उत्तर–(2) **(कनिष्ठ अनुदेशक (CLIT-2024))**

9. **किशनगढ़ चित्रकला का स्वर्ण युग किसके शासनकाल को माना जाता है?**
(1) अमरसिंह शासनकाल (2) सावन्तसिंह शासनकाल
(3) प्रतापसिंह शासनकाल (4) राजसिंह शासनकाल
उत्तर–(2) **(कनिष्ठ अनुदेशक (MD-2024))**

10. **राजस्थान का कौन–सा दिन सबसे महत्वपूर्ण अबूझ सावा (शुभ) विवाह के लिए मान्य है?**
(1) आखा तीज B निर्जला एकादशी
(3) करवा चौथ (4) शरद पूर्णिमा
उत्तर–(1) **(कनिष्ठ अनुदेशक (RAT05-2024))**

11. **उस/उन/चित्रशैली/शैलियों को चिह्नित कीजिए, जहाँ मतिराम की साहित्यिक रचना रसराज का विषयवस्तु के रूप में उपयोग हुआ है–**
(i) जोधपुर (ii) जयपुर
(iii) अलवर (iv) बीकानेर
सही कूट का चयन कीजिए:
(1) केवल (iv) (2) (i) एवं (iv)
(3) (ii) एवं (iii) (4) केवल (i)
उत्तर–(4) **(स्कूल व्याख्याता जीके (संस्कृत विभाग) 2024)**

13 राजस्थान की हस्तकलाएँ

1. कृपाल सिंह शेखावत को किस कला को देश– विदेश में पहचान दिलाने के लिए 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया? (कनिष्ठ अनुदेशक (मेंटेनेंस ट्रेड) 2025)
(A) उस्ता कला (B) ब्लू पॉटरी
(C) थेवा कला (D) मीनाकारी
(जेल प्रहरी P-8 2017)(JSA Toxicology- 2019)

व्याख्या–(B) कृपालसिंह शेखावत का जन्म 1922 ई. में **मऊ गाँव,** सीकर में हुआ, इन्हें 1974 में **पद्म श्री** मिला। वर्ष 2000 में इन्हें **'शिल्प गुरु सम्मान'** मिला। वर्ष 2008 में इनका निधन हो गया।

2. नवजात पुत्री की माँ को किस रंग का पोमचा दिया जाता है? (पशु परिचर (S-5) 2024)
(1) नारंगी (2) गुलाबी (3) पीला (4) बैंगनी (लैवेन्डर)

व्याख्या–(2) नवजात शिशु की माँ के लिए मातृ पक्ष की ओर से बेटे के जन्म पर **पीला पोमचा** और **बेटी** के जन्म पर **गुलाबी पोमचा** देने का रिवाज है।

3. फड़ कलाकार श्री लाल जोशी का संबंध राजस्थान के किस क्षेत्र से है? (CET 10+2 (S-I) 2024)(पशु परिचर (S-5) 2024)
(1) भीलवाड़ा (2) जयपुर (3) झालावाड़ (4) कोटा

व्याख्या–(1) श्रीलाल जोशी को वर्ष 2006 में **पद्मश्री** मिला, इनके द्वारा बनाई गई देवनारायण जी की एक फड़ **पश्चिमी जर्मनी** के संग्रहालय में रखी गई है।

4. राजस्थान में तीज के त्योहार के अवसर पर महिलाएँ अधिकतर _____ पहनती है। (पशु परिचर (S-4) 2024)
(1) नीला पोमचा (2) लहरिया भात की ओढ़नी
(3) लहरिया पगड़ी (4) गुलाबी पोमचा

व्याख्या–(2) लहरिया **जयपुर** का प्रसिद्ध है। लहरिया का प्रयोग पगड़ी व ओढ़नी दोनों ही रूप में होता है, विभिन्न रंगो की **आड़ी धरियों** में रंगा हुआ कपड़ा **लहरिया** कहलाता है।

5. फड़ के वाचक कौन थे? (पशु परिचर (S-3) 2024)
(1) बनजारा (2) भोपा (3) कालबेलिया (4) सग्रादा

व्याख्या–(2) फड़ चित्र किसी कथा पर आधारित होते हैं। इसमें किसी **लोकदेवता** या **प्रसिद्ध व्यक्तित्व** के जीवन से संबंधित घटनाओं को **कपड़े पर** चित्रित किया जाता है। फड़ में चित्रित कथा को भोपा द्वारा **सुर–लय–ताल** के साथ गायन के रूप में पढ़ा जाता है। इसका गायन करने वाले को **'भोपा'** कहा जाता है। सामान्यतः फड़ का वाचन **रात में** किया जाता है।

6. राजस्थान की महिलाएँ किस अवसर पर "लहरिया भाँत की ओढ़नी" पहनती हैं? (पशु परिचर (S-2) 2024)
(1) होली (2) तीज (3) दिवाली (4) शिशु के जन्म
उत्तर–(2)

7. 'माडना' एक पारंपरिक लोक कला है: (पशु परिचर (S-2) 2024)
(1) राजस्थान की (2) केरल की
(3) गोआ की (4) महाराष्ट्र की

व्याख्या–(1) मांडना कला भी लोक चित्रकला का अंग है इसमें घर, आँगन, द्वार, चौक, पूजा स्थान व घर की अन्य वस्तुओं को खड़िया, गेरू, हिरमिच, पेवड़ी, काजल, हल्दी आदि द्वारा रेखात्मक आलेखन द्वारा सजाया संवारा जाता है। राजस्थान के **मांडणा,** महाराष्ट्र की **रंगोली** व बंगाल की **अल्पना कला** प्रसिद्ध है।

8. श्रीलाल जोशी किस लोककला से सम्बन्धित हैं ?
(1) कठपुतली (2) मांडणा (3) सांझी (4) फड़
उत्तर–(4) (कनिष्ठ अनुदेशक (CLIT-2024))

9. निम्न में से कौन–सा स्थान स्याह बैगर (काला व लाल) छपाई के लिए विख्यात है ? (निम्न में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें)
(1) मथानिया (जोधपुर) (2) मांगरोल (बारां)
(3) खंडेला (सीकर) (4) बगरू (जयपुर)
उत्तर–(4) (कनिष्ठ अनुदेशक (MD-2024))

10. सीकर का कौन सा स्थान गोटा उद्योग के लिए प्रसिद्ध है?
(1) पीपराली (2) नेछवा (3) खंडेला (4) खूड़
उत्तर–(3) (CET Gra. (S-4)-2024)(CET 10+2 (S-4) 2024)
(महिला पर्यवेक्षक (आंगनवाड़ी)– 2024)

11. सूची–I (लोक कला) को सूची– II (सामग्री) से सुमेलित कीजिए: (CET 10+2 (S-3) 2024)

a. कावड़	I. पेपर
b. फड़	II. रंग
c. पाने	III. कपड़ा
d. मांडना	IV. लकड़ी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनिए:
(1) a-IV, b-III, c-I, d-II (2) a-II, b-I, c-IV, d-III
(3) a-I, b-II, c-III, d-IV (4) a-III, b-IV, c-II, d-I
उत्तर–(1)

12. मांगीलाल मिस्त्री का संबंध किस कला से है? (CET 10+2 (S-2) 2024)
(1) शहनाई (2) कावड़ (3) पुंगी (4) रावन हत्था

व्याख्या–(2) गोटे के प्रकार– लप्पा, लप्पी, किरण, बांकड़ी, गोखरू, नक्शी, बिजिया, चम्पाकली, लहरगोटा.....आदि। **लप्पा/लप्पी–** गोटे की बुनाई में ही अलंकरण (डिजाइन) बनाये हैं, चौड़ा गोटा '**लप्पा**' कहलाता है। यदि लप्पा की चौड़ाई कम हो तो उसे '**लप्पी**' कहते हैं।
किरण– बादले की **झालर** को किरण कहते हैं। यह नवविवाहिता की साड़ी के आँचल और घुंघट वाले हिस्से में लगता है।
गोखरू– गोटे को ही मोड़कर तिकोने डिजाईन में बनाया गया फूल '**गोखरू**' कहलाता है।

69. **किस लोक कला के निर्माण का पुश्तैनी व्यवसाय केवल चित्तौड़गढ़ जिले के ग्राम बस्सी में ही देखा जाता है ?**
(1) फड़ (2) सांझी (3) वील (4) कावड़
(कनिष्ठ अनुदेशक (कार्यशाला गणना एवं विज्ञान)–2022)

व्याख्या–(4) कावड़ में **लाल रंग** की प्रधानता होती है कावड़ बनाने का कार्य बस्सी (चित्तौड़गढ़) गाँव में **खेरादी जाति** के लोग करते हैं।

70. **निम्नलिखित में से कौनसा (कला–प्रमुख केंद्र) युग्म सुमेलित नहीं है?**
(1) थेवा–सीकर (2) गलीचा निर्माण–जयपुर
(3) अजरख प्रिंट–बाड़मेर (4) कठपुतली–उदयपुर
(कनिष्ठ अनुदेशक (कार्यशाला गणना एवं विज्ञान)–2022)

व्याख्या–(1) थेवा कला के लिए **प्रतापगढ़** प्रमुख केन्द्र है।

71. **राजसमंद जिले में स्थित मौलेला गाँव किस लोक कला के लिए विख्यात है?** **(लैब असिस्टेंट–2022)**
(1) मृणमय मूर्तिकला (2) काष्ठ कला
(3) वस्त्र छपाई (4) हस्तनिर्मित कागज़
उत्तर–(1)

72. **'मोती भारत' किस जिले में पारंपरिक कढ़ाई का नाम है?**
(1) पाली (2) सीकर (3) बूंदी (4) जालौर
(Librarian Grade III -2022)

व्याख्या–(4) मोती भारत राजस्थान के **जालौर** जिले की एक कला है। इस कला में पारदर्शी मोतियों को **पक्षियों, जानवरों,** मानव आकृतियों और दिन–प्रतिदिन के जीवन के अन्य सामानों के विभिन्न आकारों और रूपों में एक साथ जोड़कर काम किया जाता है। इस कला में **नीले, हरे, पीले** और **लाल रंग** के मोतियों का प्रयोग किया जाता है।

73. **'चंदूजी का गढ़ा और बोडीगामा' स्थान किस लिए प्रसिद्ध हैं? (ग्राम सेवक–2016)(Librarian Grade III -2022)**
(1) जाजम प्रिंटिग के लिए (2) तामचीनी के लिए
(3) तीर बनाने के लिए (4) कुंदन कला के लिए

व्याख्या–(3) तीर कमान निर्माण के लिए **चन्दुजी का गढ़ा** (बाँसवाड़ा) व **बोडीगामा** (डूँगरपुर) प्रसिद्ध हैं।

74. **कोफ्तगिरी, राजस्थान का पारंपरिक शिल्प, इस प्रकार की सजावट है जिसकी उत्पत्ति भारत में .....के साथ हुई है।** **(राजस्थान पुलिस–2022)**
(1) गुप्तों (2) मराठों (3) मुग़लों (4) सिंधियाओं

व्याख्या–(3) कोफ्तगिरी का कार्य **जयपुर** व **अलवर** में सर्वाधिक होता है। उदयपुर की कोफ्तगिरी कला को **अगस्त 2023** में भौगोलिक चिह्नीकरण (GI) मिल चुका है।

75. **कहानी कहने की यह कौन सी मौखिक परंपरा है जो राजस्थान में अभी भी अस्तित्व में है, जहां महाकाव्य महाभारत और रामायण की कहानियों के साथ पुराणों की कहानियों, जाति वंशावली और लोक परंपरा की कहानियों को बताया जाता है।** **(राजस्थान पुलिस– 2022)**
(1) कावड़ संवाद (2) कावड़ बंचना (वाचन) (3)
संवाद बंचना (वाचन) (4) काव्य संचना

व्याख्या–(2) कावड़ में मुख्यतः **रामायण, महाभारत व श्रीकृष्ण लीला** आदि से संबंधित घटनाओं का चित्रण होता है।

76. **निम्नलिखित में से कौन–सी कपड़े के विभिन्न टुकड़ों से सुंदर और सजावटी वस्तुएँ बनाने की प्राचीन तकनीक है?**
(1) आरी (Aari) (2) ऐप्लीक (Applique)
(3) जरदोजी (Zardozi) (4) कचो (Kacho)
(राजस्थान पुलिस–2022)

व्याख्या–(2) एक कपड़े के ऊपर दुसरा कपड़ा रखकर जो काम किया जाता है उसे **ऐप्लीक वर्क** कहते हैं। ऐप्लीक वर्क **मोटे सूती, लीलन, सिल्क, वेल्वेट** आदि सभी कपड़ों पर किया जाता है।

77. **राजस्थान का 'राज–सोनी' परिवार आभूषण निर्माण की निम्नलिखित में किस कला से संबंधित है?**
(1) कुंदर कार्य (2) मीनाकारी
(3) पटवा (4) थेवा
(राजस्थान पुलिस–2022)

व्याख्या–(4) काँच पर सोने/चांदी के सूक्ष्म चित्रांकन की कला **थेवा कला** कहलाती है। इसमें मुख्यतः **बेल्जियम** के रंगीन काँच का प्रयोग किया जाता है। काँच पर सोने की बहुत पतली वर्क लगाकर उस पर बारीक जाली बनाई जाती है, जिसे **'थारणा'** कहा जाता है तथा काँच को कसने के लिए चाँदी के बारीक तार से फ्रेम बनाया जाता है, जिसे **'वाडा'** कहते है। थेवा कला **प्रतापगढ़** की प्रसिद्ध है।

14 राजस्थान के लोकनृत्य

1. **निम्नलिखित में से कौनसा नृत्य ''थाकना शैली'' में किया जाता है?** **(वरिष्ठ अध्यापक जीके (संस्कृत) 2024)**
(1) वालर नृत्य (2) धाड़ नृत्य
(3) राई नृत्य (4) ढोल नृत्य

व्याख्या–(4) ढोल नृत्य का प्रारंभ **जालौर** से हुआ है। यह नृत्य सरगड़ा, ढोली, माली व भील जाति के पुरूषों द्वारा विवाह के अवसर पर किया जाता है। कलाकारों का मुखिया **'थांकना शैली'** में ढोल बजाता है। इस नृत्य को प्रकाश में लाने का श्रेय **जयनारायण व्यास** को जाता है।

2. **राजस्थान के उदयपुर क्षेत्र में कौन–सा लोक नृत्य अधिक प्रसिद्ध है?** **(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) ढोल नृत्य (2) बमरसिया
(3) कालबेलिया (4) भवाई

व्याख्या–(4) पेशेवर लोकनृत्यों में भवाई सर्वाधिक लोकप्रिय नृत्य है। इस नृत्य में **7–8 मटके** सिर पर रखकर नृत्य करना, जमीन पर रखा रूमाल मूँह से उठाना, गिलासों व थाली के किनारों, तलवारों व काँच के टूकड़ों पर नृत्य की क्रियाएँ की जाती है।

3. **नगाड़े के साथ रसिया गायन किस नृत्य से संबंधित है?** **(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) बमरसिया नृत्य (2) घूमर नृत्य
(3) कालबेलिया नृत्य (4) तेरहताली नृत्य

व्याख्या–(1) फाल्गुन माह में नयी फसल आने के उपलक्ष में **नगाड़ा वाद्ययंत्र** (बम) की धुन के साथ **रसिया गीत** गाते हुए पुरूष कलाकारों द्वारा गाँव की चौपाल पर यह नृत्य किया जाता है। बम वाद्ययंत्र व रसिया गीत के कारण **'बमरसिया'** कहलाता है। बमरसिया **डीग, भरतपुर** व **अलवर क्षेत्र** का प्रसिद्ध नृत्य है।

4. **राजस्थान के श्री जानकी लाल भांड जिन्हें 2024 में 'पद्म श्री' पुरुस्कार से सम्मानित किया गया ..... के कलाकार हैं।** **(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) घूमर लोक नृत्य (2) पॉटरी (कुम्हारी) कला
(3) चित्रकला (पेंटिग) (4) बहरूपिया कला

व्याख्या–(4) वर्ष 2024 में राजस्थान के निम्न व्यक्तियों को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया– **माया टंडन** (जयपुर), **पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग** (जयपुर), **जानकीलाल भाण्ड** (भीलवाड़ा), **अली व गनी मोहम्मद** (बीकानेर)।

5. **2010 में राजस्थान के किस प्रसिद्ध लोक नृत्य को यूनेस्को (UNESCO) के अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में सम्मिलित किया गया?** **(पशु परिचर (S-5) 2024)**
(1) कालबेलिया नृत्य (2) अग्नि नृत्य
(3) ढोल नृत्य (4) तेरहताली नृत्य
(REET L- 2 2017)(राजस्थान पुलिस–2022)
(राज.पुलिस 8th 1st Shift- 2020)

व्याख्या–(1) गुलाबो देवी इस नृत्य की **प्रसिद्ध** कलाकार हैं। जिसने विदेशों में भी इस नृत्य की शानदार प्रस्तुती से **विश्व भर** में प्रसिद्ध कर दिया।

6. **राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में किस त्योहार पर पुरुष संगीत का एक उपकरण जो चंग कहलाता है, बजाते हुए घेरे में नृत्य करते है?** **(पशु परिचर (S-4) 2024)**
(1) विवाह (2) होली (3) तीज (4) दिवाली
उत्तर–(2)

7. **निम्न में से कौन–सा राजस्थान का एक प्रसिद्ध लोकनृत्य है?** **(पशु परिचर (S-4) 2024)**
(1) फूगड़ी (2) घूमर (3) भागड़ा (4) यक्षगान

व्याख्या–(2) घूमर नृत्य को **राजस्थान के नृत्यों की आत्मा/लोकनृत्यों का सिरमौर/रजवाड़ी लोकनृत्य** कहा जाता है। यह राजस्थान का **राज्य नृत्य** है।

8. **राजस्थान के निम्नलिखित में से किसे पद्मश्री पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है?**
(1) श्री लक्ष्मण सिंह (2) श्री लाखा खान मंगणियार
(3) श्री मूलचंद लोधा (4) पंडित श्री लक्ष्मण भट्ट
उत्तर–(4) **(पशु परिचर (S-3) 2024)**

9. **'ढोल नृत्य' राजस्थान के किस क्षेत्र से सम्बन्धित है?**
(1) झालावाड़ (2) जालौर (3) सीकर (4) जयपुर
उत्तर–(2) **(CET 10+2 (S-6) 2024)(पशु परिचर (S-3) 2024)**

10. **तेरहताली लोक नृत्य भारत के किस राज्य से सम्बन्धित है?**
(1) बिहार (2) झारखंड
(3) मणिपुर (4) राजस्थान
उत्तर–(4) **(पशु परिचर (S-3) 2024)**

11. **राजस्थान के उस लोक नृत्य का चयन कीजिए जो मनोरंजन और सामाजिक मुद्दों को उठाने के लिए प्रसिद्ध है।**
(1) कठपुतली नृत्य (2) गिद्धा
(3) कुचिपूड़ी (4) गरबा
उत्तर–(1) **(पशु परिचर (S-2) 2024)**

22. **निम्नलिखित में से कौन राजस्थान के प्रसिद्ध गायक है?**
(1) तुलसीदास (2) जुबेन गर्ग
(3) सुंदरराजन (4) मामे खान
(राज.पुलिस 7th 2nd Shift- 2020)

व्याख्या–(4) सत्तु (जैसलमेर) निवासी मांगणियार जाति से संबंध रखने वाले मामे खान राजस्थान के **प्रसिद्ध लोक गायक** हैं। ये मिरज्या व सोनचिरइया जैसी हिन्दी फिल्मों में भी गा चुके हैं। इन्हें वर्ष 2016 में बेस्ट ट्रेडिशनल फॉक सॉन्ग के लिए **GIMA अवॉर्ड** मिल चुका है।

23. **किस प्रसिद्ध माँड गायिका को कला के क्षेत्र में योगदान के लिए 1982 में पदमश्री से सम्मानित किया गया?**
(1) अल्ला जिलाई बाई (2) गवरी बाई
(3) उषा चौहान (4) मांगी बाई
उत्तर–(1) **(महिला पर्यवेक्षक– 2019)**

24. **राजस्थान के एकमात्र शास्त्रीय नृत्य कत्थक के जयपुर घराने के प्रवर्तन माने जाते हैं?** **(AAO - 2019)**
(1) लच्छन महाराज (2) भानुजी महाराज
(3) बिरजू महाराज (4) उदयशंकर जी

व्याख्या–(2) कत्थक राजस्थान का **एकमात्र शास्त्रीय नृत्य** है। इसके प्रवर्तक भानूजी थे। नृत्य की कत्थक शैली का **आदिम घराना** जयपुर घराना है। इस नृत्य का उद्‌गम **13वीं** सदी में हुआ है।

25. **बीकानेर की गायिका अल्लाहजिलाई बाई किस राग गाने के लिए प्रसिद्ध थीं?** **(COMPUTER GK- 2018)**
(1) बसंती (2) जैजेवंती
(3) मल्हार (4) माण्ड
उत्तर–(4)

26. **राजस्थान के उमर फारुक मेवाती का सम्बन्ध किस क्षेत्र से था?** **(LDC 41- A 2018)**
(1) पर्यावरण (2) संगीत
(3) खेल (4) चिकित्सा विज्ञान

व्याख्या–(2) उमर फारुख मेवाती राजस्थान में **लोक संगीत** के साथ इस्तेमाल होने वाले तारवाद्य यंत्र **भपंग** के एक प्रसिद्ध कलाकार थे।

27. **निम्नलिखित में से कौनसी गायकी लोकगायकी की श्रेणी में सम्मिलित नहीं है?** **(LDC 43-A 2018)**
(1) ढ़ोला (2) आल्हा
(3) ध्रुपद (4) बारहमाषा
उत्तर–(3)

28. **अल्लाह जिलाई बाई को कौनसा नागरिक सम्मान मिला है?** **(जेल प्रहरी P-2 2017)**
(1) पद्मश्री (2) पद्मभूषण
(3) भारत रत्न (4) पद्मविभूषण
उत्तर–(1)

29. **हवेली संगीत शैली निम्न में से किसकी विशेष देन है?**
(1) जयपुर (2) पुष्कर (3) नाथद्वारा (4) जैसलमेर
(जेल प्रहरी P-4 2017)

व्याख्या–(3) हवेली संगीत **नाथद्वारा** के अलावा कांकरोली (राजसमंद), जयपुर, कोटा डीग व भरतपुर में भी प्रचलित है।

30. **गोबरहारी, डागुरी, खण्डारी का सम्बन्ध किससे है?**
(1) ध्रुवपद गायकी (2) चित्रकला स्कूल
(3) हस्तकला केन्द्र (4) नील उद्‌योग
(JEN Mech. Degree- 2016)

व्याख्या–(1) ध्रुपद गायनशैली **चार खण्डों** में विभक्त है–
गोहर वाणी– इसकी उत्पत्ति **ग्वालियर** से हुई है, इसके जनक तानसेन हैं।
डागुरवाणी– इसकी उत्पत्ति **जयपुर** से मानी जाती है, इसके प्रवर्तक बृजनंद डागर थे।
खण्डारवाणी– इसकी उत्पत्ति **उनियारा** (टोंक) में हुई है, इसके जनक खण्डार के शासक समोखन सिंह हैं।
नौहरवाणी– इसकी उत्पत्ति **जयपुर** से हुई है, इसके जनक श्रीचंद नोहर थे।

31. **ध्रुपद गायन में कौन–सी ताल प्रयुक्त होती है?**
(1) धमार (2) तिलवाड़ा (3) चारताल (4) दीपचन्दी
(स्कूल व्याख्याता संगीत– 2015)

व्याख्या–(3) ध्रुपद गायन में **चौताल, मत्त, ब्रह्म, लक्ष्मी, सूल, तीव्रा,** इत्यादि तालों का प्रयोग होता है।

32. **माँड गायन किस प्रदेश से संबंधित है?**
(1) मध्य प्रदेश (2) गुजरात (3) राजस्थान (4) पंजाब
(स्कूल व्याख्याता संगीत– 2015)

व्याख्या–(3) माँड गायकी **बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर व फलौदी** जिलों में प्रचलित हैं। 10वीं व 11वीं शताब्दी में **जैसलमेर क्षेत्र** को **'माँड क्षेत्र'** कहा जाता था, अतः यहाँ विकसित हुई गायन शैली माँड गायन शैली कहलाई।

33. **लंगा व माँगणियार किस क्षेत्र के लोक कलाकार है?**
(1) मध्य प्रदेश (2) उत्तराँचल
(3) राजस्थान (4) तमिलनाडु
(स्कूल व्याख्याता संगीत– 2015)

17 राजस्थान के लोकगीत

1. **पटेलिया, बिछियो और लालार क्या हैं?** **(Steno-2024) (महिला पर्यवेक्षक– 2015)(पशु परिचर (S-5) 2024) (वनरक्षक– 2022)**
(1) लोक वाद्य यन्त्र (2) लोक नृत्य
(3) लोकगीत (4) लोक नाटक

व्याख्या–(3) मेवाड़ के पर्वतीय क्षेत्र के **प्रमुख लोकगीत**– पटेल्या, बिछिया, लालर, माछर, नोखीला, थारी ऊँटा री असवारी, नाव री असवारी, शिकार .....आदि।

2. **'लोकगीत लोगों की भाषा है, वे हमारी संस्कृति के संरक्षक है'।** **(पशु परिचर (S-4) 2024)**
उपरोक्त पंक्तियाँ किसके द्वारा कही गई है?
(1) रवीन्द्र नाथ टैगोर (2) महात्मा गांधी
(3) सरदार पटेल (4) जवाहर लाल नेहरू

व्याख्या–(2) देवेन्द्र सत्यार्थी– लोकगीत किसी संस्कृति के मुँह बोलते चित्र हैं।
महात्मा गाँधी– लोकगीतों में पर्वत गाते हैं, नदियाँ गाती हैं, धरती गाती है, फसलें गाती हैं।
रवीन्द्रनाथ टैगोर– लोकगीत संस्कृति का सुखद संदेश ले जाने वाली कला है।
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल– संस्कृति लोकगीतों के कंधों पर चढ़कर आती है।

3. **उत्तरी मेवाड़ के भीलों का प्रसिद्ध गीत है:** **(पशु परिचर (S-3) 2024)**
(1) माँड (2) कुर्जा (3) मूमल (4) हमसीदो

व्याख्या–(4) हमसीढो उत्तरी मेवाड़ के भीलों का प्रसिद्ध लोकगीत है, जिसे **स्त्री पुरुष** दोनों मिलकर गाते हैं।

4. **होली पर पुरुषों द्वारा कौन–से गीत गाए जाते हैं?** **(पशु परिचर (S-1) 2024)**
(1) तोरण (2) रसिया (3) मायरा (4) बधावा

व्याख्या–(2) रसिया डीग, भरतपुर व धौलपुर क्षेत्र का प्रसिद्ध गीत है, जो होली के त्योहार पर बम वाद्ययंत्र के साथ गाया जाता है।

5. **बिछियौ, लालर, नोखिला और शिखर राजस्थान के .... हैं।** **(CET 10+2 (S-I) 2024)**
(1) लोक गीत (2) लोक नृत्य
(3) वाद्ययंत्र (4) लोक नाटक
उत्तर–(1)

6. **उस सुप्रसिद्ध ''मांड गायक'' का नाम बताएँ जिसने कि गीत 'केसरिया बालम आओ नि पधारो महारेदेश' को अमरत्व प्रदान किया।** **(LDC 1st Paper -2024)**
(1) श्यामल दास (2) गवरी देवी
(3) अल्लाह जिलाई बाई (4) पीरू सिंह

व्याख्या–(3) केसरिया बालम राजस्थान का **राज्यगीत** है। इसमें विदेश गये पति को आने का संदेश दिया जाता है। इसमें पति की प्रतीक्षा करती हुई एक नारी की **विरह व्यथा** है। यह एक **रजवाड़ी गीत** है। यह गीत **मांड राग** में गाया जाता है।

7. **निम्नलिखित में से कौन से क्षेत्र में रतवाई लोकगीत गाए जाते है?** **(कनिष्ठ अनु. इले.– 2018)(संगणक– 2024)**
(1) मेवाड़ (2) मेवाती (3) रामदी (4) हाड़ौती

व्याख्या–(2) रतवाई नृत्य अलवर क्षेत्र की **मेव महिलाओं** द्वारा चूडियाँ खनकाते हुये किया जाता हैं। पुरूष अलगोजा व टामक वाद्ययंत्र बजाते हैं।

8. **राजस्थान में मचर, बीछियो, व लालर से क्या तात्पर्य है?**
(1) लोक नृत्य (2) लोक नाट्य
(3) लोक गीत (4) संगीत वाद्य यंत्र
उत्तर–(3) **(EO/RO- 2023)**

9. **राजस्थान में विवाह से पहले दुल्हे को रिश्तेदारों द्वारा आमंत्रित किया जाता है और लौटते समय.....से सम्बन्धित गीत गाया जाता है।** **(EO/RO- 2023)**
(1) बन्ना–बन्नी (2) बिन्दोला (3) घोड़ी (4) जला

व्याख्या–(2) विवाह के पूर्व वर को **रिश्तेदारों द्वारा** आमंत्रित किया जाता है। वहाँ से लौटते समय **बिन्दोला गीत** गाया जाता है।

10. **राजस्थानी लोक साहित्य री दीठ सूं 'हरजस' कांई है?**
(1) पवाड़ा (2) लोकगीत
(3) लोकगाथा (4) ख्याल
(REET L- 1 2023)

व्याख्या–(2) हरजस **सगुण भक्ति** लोकगीत है। यह **शेखावाटी** में किसी वृद्ध की मृत्यु पर गाये जाने वाले भगवान के गीत **'हरजस'** कहलाते हैं।

11. **कुरजां, पीपली, घूघरी, केवड़ा क्या है?**
(1) राजस्थानी लोक नाट्य (2) राजस्थानी आभूषण
(3) राजस्थानी लोक गीत (4) राजस्थानी लोक नृत्य
(REET L- 2 (sindhi) 2023)

18 राजस्थान के लोक वाद्ययंत्र

1. **निम्नलिखित में से कौनसा सुषिर वाद्ययंत्र नहीं है?**
(वरिष्ठ अध्यापक जीके (संस्कृत विभाग) 2024)
(1) सतारा (2) नड़ (3) मशक (4) भपंग

व्याख्या–(4) भपंग एक **तत् वाद्ययंत्र** है।

2. **वाद्य यंत्रों के वर्गीकरण में "एकतारा" किस घराने से संबंधित है?** **(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) घन (2) टाट (तत्)
(3) सुशिर (4) अवनाद्य

व्याख्या–(2) इकतारा **नारदजी** व **मीरांबाई** का वाद्ययंत्र है, इसे छोटे से गोल तुम्बें में गोल डंडी फंसाकर बनाया जाता है। इसे हाथ की अंगुली से बजाया जाता है।

3. **शहनाई वाद्ययंत्रों के किस परिवार से संबंधित है?**
(पशु परिचर (S-5) 2024)
(1) सुषिर (2) ढोल (3) बीट (4) बैरल

व्याख्या–(1) शहनाई सुषिर वाद्ययंत्रों में **सर्वश्रेष्ठ वाद्ययंत्र** है, इसे **सुन्दरी/नफीरी** भी कहते हैं। शीशम, सागवान या टाली की लकड़ी से बने चीलम के आकार के इस वाद्य में **8 छेद** होते हैं। इसे विवाह व अन्य **मांगलिक अवसरों** पर बजाया जाता है।

4. **कालबेलियों के प्रमुख वाद्य का नाम बताइए।**
(पशु परिचर (S-3) 2024)
(1) पुंगी (2) अलगोजा
(3) रावणहत्था (4) सारंगी

व्याख्या–(1) पुंगी कालबेलिया/सपेरों द्वारा साँप को मोहित करने में काम लिया जाता हैं। यह एक विशेष प्रकार के **तुम्बे से** बनती है, जिसके अगले हिस्से में **दो नलियाँ** लगाई जाती हैं। यह **कालबेलिया जाति** का प्रमुख वाद्ययंत्र है।

5. **पाबूजी के फड़ गाते समय, जिस वाद्य यंत्र का प्रयोग किया जाता है, वह ..... कहलाता है।**
(AAO- 2019)(शीघ्रलिपिक– 2021)(पशु परिचर (S-2) 2024)
(1) जंतर (2) मूचांग
(3) रावणहत्था (4) एकतारा

व्याख्या–(3) रावणहत्था राजस्थान का सबसे **प्राचीन** वाद्ययंत्र है, जिसमें **9 तार** होते हैं। आधे कटे नारियल की कटोरी पर बकरे का चमड़ा चढ़ा कर बनाया जाता है। पाबूजी, रामदेव जी व डुँगरजी–जवाहर जी के भोपों द्वारा फड़ वाचन में प्रयोग किया जाता है। यह **भोपों का मुख्य वाद्ययंत्र** है।

6. **एक तार वाला संगीत वाद्य यंत्र जो विभिन्न प्रकार की धुनें और राग उत्पन्न कर सकता है, कहलाता है:**
(1) रावणहत्था (2) एकतारा
(3) खड़ताल (4) पूंगी
उत्तर–(2) **(पशु परिचर (S-1) 2024)**

7. **सूची–I का सूची–II के साथ मिलान करें।**

(वाद्ययंत्र)	**(विशेषताएँ)**
a. एकतारा	I. इसको दो मोटी लकड़ी के डंडों से बजाया जाता है।
b. अलगोजा	II. भोपों का प्रमुख वाद्य
c. रावनहत्था	III. यह वाद्ययंत्र मीरांबाई बजाया करती थीं
d. नगाड़ा	IV. बांसुरी जैसा वाद्ययंत्र

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनिए:
(1) a-III, b-IV, c-II, d-I
(2) a-I, b-II, c-III, d-IV
(3) a-II, b-IV, c-I, d-III
(4) a-IV, b-III, c-I, d-II
उत्तर–(1) **(पशु परिचर (S-1) 2024)**

8. **राजस्थान के किस क्षेत्र में 'नड़' वाद्ययंत्र अधिकतर प्रयुक्त होता है?** **(कनिष्ठ अनुदेशक (RAT05-2024))**
(1) जयपुर (2) कोटा
(3) जैसलमेर (4) अजमेर
उत्तर–(3) **(कनिष्ठ अनुदेशक मैकेनिक. डीजल इंजन– 2019)**

9. **निम्नलिखित में से कौनसा तत् वाद्य यंत्र है?**
(1) मोरचंग (2) अलगोजा
(3) खड़ताल (4) भपंग
(Assi. Prof. (Sanskrit) G.K.- 2024)

व्याख्या–(4) भपंग **डमरू से मिलता जुलता** वाद्ययंत्र है, कटे हुये तुम्बे से बनता है जिसके एक सीरे पर चमड़ा मंढ़ा होता है। वादक इसे काँख में दबाकर एक हाथ से लकड़ी के टुकड़े से बजाता है। यह वाद्ययंत्र **मेवात** में लोकप्रिय है।

10. **निम्नलिखित में से कौनसा तत् वाद्य यंत्र नहीं है?**
(1) भपंग (2) बांकिया
(3) जन्तर (4) कामायचा
(सहायक सांख्यिकी अधिकारी– 2024)

व्याख्या–(2) बांकिया एक **सुषिर** वाद्ययंत्र है।

11. **"डेरू" क्या है?** **(अनुसंधान अधिकारी– 2024)**

19 राजस्थान के आभूषण

1. **'मोकड़ी' क्या है?** **(कनिष्ठ अनुदेशक (सोलर टेक्नीशियन) 2025)**
(1) एक–परिधान (2) मृद्भाण्ड
(3) काँच की चूड़ी (4) लाख की चूड़ी

व्याख्या–(4) लाख से निर्मित चूड़ियाँ **'मोकड़ी'** कहलाती हैं।
कातर्या– काँच की चूड़ियाँ।
बल्लया– हाथी दाँत या **रबर** की बनी चुड़ियाँ।

2. **"हामेल" आभूषण राजस्थानी महिलाओं द्वारा..... पर/में पहना जाता है।** **(वनरक्षक–2022)(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) गर्दन (2) सिर (3) टखने (4) कमर

व्याख्या–(1) हमेल– सोने से बनाया जाने वाला हारनुमा आभूषण, यह **शेखावाटी** में बहुत लोकप्रिय है। इसे स्थानीय भाषा में **'म्हेल'** भी कहते हैं।

3. **''बोरला'' नाम का आभूषण राजस्थानी महिलाओं द्वारा _____ में पहना जाता है।** **(पशु परिचर (S-5) 2024)**
(1) गला (2) टखना (3) कलाई (4) सिर
(CET 10+2 2023)(REET L- 1 2023)(EO/RO-2023)
(CET 10+2 (S-2) 2024)

व्याख्या–(4) बोर/बोरला– मोटे बेर के आकार (गोलाकार) का सोने चाँदी का बना आभूषण, जिसके आगे के भाग में छोटे–छोटे दाने उभरे हुए होते हैं तथा पीछे के भाग में **छोटा सा हुक** बना होता है, इस हुक में धागा बाँधकर महिलाएँ बालों के मध्य में **ललाट पर** लटकाते हुए पहनती हैं।

4. **राजस्थान में महिलाओं द्वारा दांतों के बीच सोने की कील लगाने को कहा जाता है:(VDO-2021)(पशु परिचर (S-4) 2024)**
(1) बारी (2) बोरला (3) दामना (4) चूंप
उत्तर–(4) (CET Gradu.(S-2)- 2024)(CET 10+2 (S-3) 2024)

5. **दाँतों पर सोने की परत चढ़ाने का प्रक्रम कहलाता है:**
(1) मोकड़ी (2) राखन (3) चूंप (4) कन्दोरा
उत्तर–(2) **(पशु परिचर (S-3) 2024)**

6. **सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:**

गहने	पहनने का अंग
a. थुस्सी	I. अंगुली
b. बोरला	II. कान
c. दामना	III. गला
d. झाले	IV. सिर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(1) a-I, b-II, c-III, d-IV (2) a-III, b-IV, c-I, d-II
(3) a-IV, b-II, c-III, d-I (4) a-I, b-III, c-II, d-IV
उत्तर–(2) **(पशु परिचर (S-2) 2024)**

7. **राजस्थान में शरीर के कौन–से भाग में हाँसली पहनी जाती है?** **(पशु परिचर (S-1) 2024)**
(1) हाथ (2) सिर (3) गर्दन (4) कान

व्याख्या–(3) खुंगाळी/हाँसली– सोने के तारों से बना गोलाकार आभूषण, जो मध्य में से **चौकोर** तथा किनारों से **पतला** होता है। इसे **'हँसली/हांस'** भी कहते हैं।

8. **निबोरी, थमणिया, तुलसी, जुगावली महिलाओं द्वारा शरीर के किस अंग पर पहने जाते थे?**
(1) पैर (2) सिर (3) गला (4) हाथ
उत्तर–(3) **(Junior Instructor (Electrician) 2024)**

9. **कॉलम I में आभूषण को कॉलम II में महिलाएँ पहनती हैं से मिलान कीजिए–**

1. बोर (बोरला)	a. गला
2. ठुस्सी	b. हाथ
3. पीपलपत्र	c. सिर
4. नोगरी	d. कान

(1) 1-c, 2-a, 3-d, 4-b (2) 1-b, 2-a, 3-d, 4-c
(3) 1-c, 2-d, 3-b, 4-a (4) 1-b, 2-c, 3-a, 4-d
उत्तर–(1) **(Junior Instructor (Workshop) 2024)**

10. **राजस्थानी पुरुष, चेलाकड़ी (छैलकड़ी) आभूषण, ... में पहनते हैं।** **(Steno-2024)**
(1) उंगलियों (2) पैरों (3) हाथों (4) कानों
उत्तर–(4)

11. **निम्नलिखित में से कौनसा आभूषण कान में पहना जाता है?** **(Assi. Prof. (Sanskrit) G.K.- 2024)**
(1) चाँट (2) पोत (3) नोगरी (4) ओखरी

व्याख्या–(4) चाँट– कलाई का आभूषण।
नोगरी– मोतियों की लड़ियों के समूह से बना आभूषण, जिसे हाथ में चूड़ियों के बीच में पहना जाता है।
पोत– गले का आभूषण।

12. **निम्नलिखित में से कौन–सा आभूषण राजस्थान में महिलाएँ गले में पहनती हैं?** **(महिला पर्यवेक्षक– 2024)**
(1) नोगरी (2) नूपुर (3) मोकड़ी (4) थमन्यो

व्याख्या–(4) थमण्यो– सोने की 3 लड़ों से बना आभूषण, जो चीलों से बनी हुई घनी लड़ियों के बीच **4 अंगुल लम्बी** मोगरों वाली सोने की डंडी लगाकर बनाया जाता है।

20 राजस्थान की वेशभूषा व पहनावा

1. **राजस्थान में प्राचीन समय से पुरुष परिधान के लिए किस प्रकार का वस्त्र उपयोग में लाया जाता है?** **(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) सिल्क (2) सूती (3) पॉलिएस्टर (4) टेरिकोट

व्याख्या–(2) कालीबंगा व आहड़ सभ्यता के काल से ही राजस्थान में **सुती वस्त्रों** का चलन था। इन स्थानों से उत्खनन में प्राप्त रूई कातने के **चक्र** और **तकली,** इस बात के प्रमाण है कि उस काल के लोग रूई के वस्त्रों का उपयोग करते थे।

2. **उदयशाही, खंजरशाही, शिवशाही एवं विजयशाही इत्यादि राजस्थान के किस परिधान से संबंधित हैं?**
(1) दुपट्टा (2) पगड़ी (3) अंगरखी (4) धोती
उत्तर–(2) **(पशु परिचर (S-3) 2024)**

3. **राजस्थान में विवाह के अवसर पर पुरुष किस प्रकार की पगड़ी पहनते हैं?** **(पशु परिचर (S-1) 2024)**
(1) मोथड़ा (2) लहरिया (3) मदील (4) अंटीवाली

व्याख्या–(1) दो बार रंग निकालकर (दो रंग युक्त) बंधेज किया हुआ साफा **'मोठरा'** कहलाता है।

4. **'बगल बंडी' क्या है?**
(1) साफे का एक प्रकार (2) महिलाओं का ऊपरी वस्त्र
(3) विशेष प्रकार का आभूषण (4) पुरूषों का ऊपरी वस्त्र
उत्तर–(4) **(Assi. Prof. (Sanskrit) G.K.- 2024)**

5. **निम्नलिखित में से कौन एक साड़ी का प्रकार नहीं है?**
(1) डागला (2) धारावली (3) चोल (4) निचोल
(महिला पर्यवेक्षक– 2024)

व्याख्या–(1) राजस्थान में प्रचलित साड़ियों के नाम– पट, दुकुल, वसन, चोल, निचोल, अंसुक, चीर–पटोरी, चोरसो, ओढ़नी, चूँदड़ी, धोरावाली साड़ी आदि।

6. **"मारू थारे देश में उपजे तीन रतन, इक ढ़ोला, दूजी मारवान, तीजो कसममूल रंग" कसमूल का कौन–सा रंग होता है?** **(महिला पर्यवेक्षक– 2024)**
(1) काला (2) पीला (3) संतरी (नारंगी) (4) लाल
उत्तर–(4)

7. **प्राचीन राजस्थान में स्त्रियाँ ग्रीष्म काल में ..... वस्त्र की साड़ियों का प्रयोग पसंद करती थीं।**
(1) कुरपासक (2) बृहत्तिका
(3) क्षौम (4) स्तनोत्तरीय
उत्तर–(3) **(Assi. Prof. History II- 2024)**

8. **वस्त्र रंगने की मलयगिरी पद्धति में किस रंग की प्रधानता होती है?** **(वरिष्ठ अध्यापक ग्रुप–A (संस्कृत शिक्षा) 2023)**
(1) काला (2) भूरा
(3) नीला (4) पीला

व्याख्या–(2) मलागिरि (मलयगिरि)– भूरे रंग में (चंदन के रंग से) रंगा हुआ वस्त्र वर्षों तक सुगंधित रहता था। सिटी पैलेस जयपुर में **सवाई रामसिंह द्वितीय** की अंगरखियाँ अभी तक सुगंधित हैं।

9. **अमरशाही किसका नाम है?**
(1) आभूषण (2) मिट्टी का बर्तन
(3) पगड़ी (4) जूती
(Tax Assistant- 2018)(CET 10+2 2023)

व्याख्या–(3) अमरशाही पगड़ी मेवाड़ महाराणा **अमरसिंह द्वितीय** के समय प्रचलित थी।
मेवाड़ की अन्य पगड़ियाँ– मेवाड़ी पगड़ी, उदयशाही, अरसीशाही, भीमशाही, स्वरूपशाही, उमरावपाग, चुंड़ावतशाही, जसवंतशाही, मांडपशाही, राठौड़ी, मानशाही, हमीरशाही आदि।

10. **महिला पोशाक पोमचा किस अवसर पर पहना जाता है?**
(1) गणगौर (2) शिशु के जन्म
(3) सगाई (4) हरियाली तीज
(CET 10+2 2023)

व्याख्या–(2) राजस्थान में प्रसूता महिला अपने **पीहर पक्ष** से आने वाले **लाल रंग** के बंधेज का ओढ़णा पहनती है, जिसके चारों ओर बंधेज की डिजाइन होती है एवं **बीच में केसरिया रंग** का गोल घेरा होता है, यही **पीला पोमचा** कहलाता है। नवजात शिशु की माँ के लिए मातृपक्ष की ओर से बेटे के जन्म पर **पीला पोमचा** और बेटी के जन्म पर **गुलाबी पोमचा** देने का रिवाज है।

11. **चोल, निकोल, पट्टा, दुकूल, चोरसो ..... के विभिन्न नाम हैं।** **(CET 10+2 2023)**
(1) घाघरा (2) अंगरखा (3) ओढ़नी (4) चोली

व्याख्या–(3) राजस्थान में **प्रचलित साड़ियों के नाम–** पट, दुकुल, वसन, चोल, निचोल, अंसुक, **चीर–पटोरी,** चोरसो, ओढ़नी, चूँदड़ी, धोरावाली साड़ी आदि।

12. **उदयशाही, अमरशाही, खंजरशाही क्या है?**
(1) सिक्कों के प्रकार (2) राजस्थान के आभूषण
(3) राजस्थान की बोलियाँ (4) राजस्थानी पगड़ियों की शैली
(REET L- 2 (sindhi) 2023)

व्याख्या–(2) पुरुष की मृत्यु के **12वें दिन** तथा स्त्री की मृत्यु पर **13वें दिन** मृतक के उत्तराधिकारी अपनी स्थिति के अनुसार जाति वालों व **गाँव वालों** को भोज देते हैं। इस भोज को **'मौसर'** कहते है।

12. **'बढ़ार' क्या है?** **(ACF- 2013)(CET Graduation- 2023)**
(1) विवाह पर आयोज्य भोज (2) राजस्थान की एक जनजाति
(3) अंत्येष्टि की एक क्रिया (4) राजस्थान की एक झील
(JSA Serology- 2019)(JEN Mech. Diploma- 2020)

व्याख्या–(1) विवाह के अवसर पर वर पक्ष की ओर से दिया जाने वाला भोज एवं आशीर्वाद समारोह **बढ़ार** कहलाता है।

13. **राजस्थान की वह परम्परा, जिसमें दूल्हे की बारात के घर से चले जाने के बाद घर की स्त्रियों द्वारा लोक नाट्य किया जाता है, कहलाता है – (CET Graduation- 2023)**
(1) स्वांग (2) ख्याल (3) टूटिया (4) रम्मत

व्याख्या–(3) विवाह के अवसर पर बारात विवाह के लिए रवाना होने के बाद पीछे से **वर पक्ष की महिलाएँ** वर–वधू की नकल के रूप में एक **स्वांग** प्रदर्शित करती है जिसे **टुंटिया/टुंटकी/खोड्या** कहते हैं। इसमें एक महिला वर व दूसरी महिला वधू बनती है तथा उनका **नकली विवाह** रचाया जाता है। हँसी–मजाक से भरपूर व मनोरंजक इस स्वांग में केवल महिलाएँ ही भाग लेती है।

14. **निम्न में से कौन–सा संस्कार जन्म से सम्बन्धित है?**
(1) मौसर (2) सामेला
(3) जडूला (4) बिंदोली
(हाथकरघा निरीक्षक– 2019)(CET 10+2 2023)
(JEN Civil Diploma- 2020)

व्याख्या–(3) चूड़ाकर्म/जडूला– शिशु को दो या तीन वर्ष का होने पर अपने किसी **कुल देवी** या **देवता** के स्थान पर बच्चे का पहली बार **मुंडन** किया जाता है।

15. **पीठी रा गीत कद गाइजै?** **(REET L- 2 (sindhi) 2023)**
(1) झडूलै पर (2) ब्याव में
(3) जलम पर (4) मिरतू पर

व्याख्या–(2) विवाह के अवसर पर नहलाने से पूर्व पीठी (हल्दी) लगाई जाती है। पीठी लगाते वक्त **पीठी/उबटन** गीत गाया जाता जाता है।

16. **निम्न में से किस समारोह का संबंध विवाह से है?**
(1) पनघट पूजन (2) टीका
(3) गोद लेना (4) जडूला
(REET L- 2 (Math) 2023)

व्याख्या–(2) टीका– इसमें वधू पक्ष की तरफ से लड़के को **वस्त्र/गहने/नगदी** आदि भेंट दी जाती है।

17. **कांकण–डोरड़ा, बिंदोली एवं सामेला राजस्थान में किस अवसर से संबंधित है?** **(REET L- 2 (Urdu) 2023)**
(1) विवाह (2) चूडाकर्म (3) जन्म (4) मृत्यु

व्याख्या–(1) बंदौला/बंदौरी– वर व वधू का **बान बैठाने के बाद** उनके परिवारजन खाना खाने के लिए अपने घर आमंत्रित करते हैं, महिलाएँ वर/वधू को साथ लेकर **गीत गाती हुई** उनके घर जाती हैं।
सामेला/मधुपर्क– जब बारात लड़की वाले के गाँव पहुँच जाती है तो वधू पक्ष के मौजिज लोग बारात का स्वागत करने आते हैं इसे **सामेला या अगवानी** भी कहते हैं।

18. **निम्नलिखित में से कौन सी प्रथा विवाह से संबंधित नहीं है?** **(सरंक्षण अधिकारी– 2023)**
(1) सामेला (2) सातरवाड़ा (3) बान (4) मुगधना

व्याख्या–(2) सांतरवाड़ा– अंतिम संस्कार के बाद सभी लोग मृतक के घर उसके परिजनों को **सांत्वना देने** आते हैं।
मुगधना– भोजन पकाने के लिए लकडियां जो विनायक स्थापना के पश्चात लाई जाती है।
बान–विवाह के 3/5/7 दिन पहले वर पक्ष व वधू पक्ष दोनों के घरों में गणेश पूजन कर वर/वधू को हल्दी लगाई जाती है।

19. **निम्नांकित में से कौन सा विकल्प विवाह की रस्मों से संबंधित नहीं है?** **(वरिष्ठ अध्यापक ग्रुप–A - 2023)**
(1) कंकण बंधन (2) बंदोली
(3) समेला (4) कर्णवेध

व्याख्या–(4) कर्णबेध– बच्चे के 5–6 साल के होने पर उसके **कान बींधे** जाते हैं।

20. **'भदर' का सम्बन्ध किससे है?**
(1) विवाह संस्कार (2) कर्णवेध संस्कार
(3) समावर्तन संस्कार (4) अंत्येष्टि संस्कार
(वरिष्ठ अध्यापक ग्रुप–B - 2023)

व्याख्या–(4) भदर– किसी बुजुर्ग व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसके परिवार के सदस्यों के **सिर व दाढ़ी के बाल** काटे जाते हैं, जिसे **'भदर होना'** कहा जाता है।

21. **विवाह के दूसरे दिन वर पक्ष द्वारा नव दम्पति के लिए आशीर्वाद समारोह व प्रतिभोज को क्या कहते हैं?**
(1) कू (2) बढार
(3) ओलंदी (4) आणों
उत्तर–(2) **(बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक– 2022)**

22 राजस्थान की जनजातियाँ

1. **राजस्थान के पारंपरिक शिकारी हैं:** **(पशु परिचर (S-3) 2024)**
a. थोरी b. नायक c. सांसी d. बोलिया
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें–
(1) केवल c और d (2) केवल a और b
(3) केवल b और c (4) केवल a, b और d
उत्तर–(3)

2. **राजस्थान के आदिवासी समाज का सबसे बड़ा मेला कौन–सा है?** **(पशु परिचर (S-1) 2024)**
(1) श्री महावीरजी मेला (2) कपिल मुनि मेला
(3) बेणेश्वर मेला (4) कैला देवी मेला

व्याख्या–(3) बेणेश्वर मेला (डूँगरपुर)– डुँगरपुर की साबला तहसील के नवाटापरा में **माही सोम व जाखम** नदियों के संगम पर **माघ पूर्णिमा** को यह मेला भरता है। यह मेला **आदिवासियों का कुम्भ** कहलाता है।

3. **राजस्थान का कौन–सा मेला राजस्थानी जनजातियों का कुम्भ कहलाता है?** **(CET Graduation (S-3)-2024)**
(1) शीतला माता मेला (2) कपिल मुनि मेला
(3) बेणेश्वर मेला (4) करणी माता मेला
उत्तर–(3)

4. **नीचे दो कथन दिए गए हैं:** **(CET Graduation (S-3)-2024)**
कथन (I): राजस्थान में कंजर जनजाति अधिकतर कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, भीलवाड़ा, उदयपुर, अजमेर और अलवर इलाकों में पाई जाती है।
कथन (II): कंजर जनजाति में, परिवार के प्रमुख को 'कोतवाल' के नाम से जाना जाता है।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें।
(1) कथन (I) सही है लेकिन कथन (II) गलत है।
(2) कथन (I) गलत है लेकिन कथन (II) सही है।
(3) कथन (I) और कथन (II) दोनों सही हैं।
(4) कथन (I) और कथन (II) दोनों ही गलत हैं।

व्याख्या–(1) कंजर जनजाति में, परिवार के प्रमुख को **'पटेल'** के नाम से जाना जाता है तथा सहरिया जनजाति में, परिवार के प्रमुख को **'कोतवाल'** के नाम से जाना जाता है।

5. **नीचे दो कथन दिए गए हैं:** **(CET Graduation (S-3)-2024)**
कथन (I): सांसी एक घुमन्तू जनजाति है, जो कि मुख्यतः भरतपुर जिले में पाई जाती है।
कथन (II): सांसी जनजाति के वीजा और मावा दो वर्ग हैं।
उपरोक्त कथनों के आलोक में नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें।
(1) कथन (I) सही है लेकिन कथन (II) गलत है।
(2) कथन (I) गलत है लेकिन कथन (II) सही है।
(3) कथन (I) और कथन (II) दोनों सही हैं।
(4) कथन (I) और कथन (II) दोनों ही गलत हैं।
उत्तर–(3)

6. **निम्नलिखित में से कौन–सा कथन राजस्थान की सहरिया जनजाति के बारे में सही नहीं है?**
(1) इस जनजाति के मुखिया को तपाड़ा कहा जाता है।
(2) वे कई देवी व देवताओं की पूजा करते हैं, परन्तु उनके इष्ट देव ''बेहरू भारानी'' हैं।
(3) सहरिया का निवास दक्षिण–पूर्वी राजस्थान में है और वह भी बारां जिले के शहाबाद और किशनगंज तहसील तक ही सीमित है।
(4) इनमें चौहान डोडिया आदि जैसे ''गोत्र'' होते हैं।
(CET Graduation (S-1)-2024)

व्याख्या–(1) सहरिया जनजाति के मुखिया को **'कोतवाल'** कहा जाता है।

7. **राजस्थान की आदिवासी जनजातियाँ मुख्य रूप से राज्य के किस क्षेत्र में रहती हैं?** **(Raj. Police L-1 2024)**
(1) उत्तर–पश्चिमी रेगिस्तान क्षेत्र
(2) दक्षिण–पश्चिमी भाग
(3) पूर्वी मैदान (4) अरावली पहाड़ी क्षेत्र
उत्तर–(4)

8. **निम्नलिखित में से कौनसी राजस्थान की जनजाति नहीं है?** **(EO/RO- 2023)**
(1) भील (2) खटीक (3) मीणा (4) डामोर

व्याख्या–(2) प्रश्न में जनजाति पुछा गया है जबकि खटीक भारत में पाई जाने वाली **एक जाति** है जो **राजस्थान,** पंजाब, **हरियाणा,** उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और **गुजरात** में पाई जाती है।

9. **छेला बावजी और ग्यारस की रैवाड़ी राजस्थान की किस जनजाति के प्रमुख मेले है?** **(EO/RO 2023)**
(1) कंजर (2) सहरिया (3) डामोर (4) सांसी

व्याख्या–(3) डामोर जनजाति के लोगों के लिए **छैला बावजी का मेला** काफी अहम है, जो **पंचमहल, गुजरात** में आयोजित होता है और **ग्यारस का रेवाड़ी मेला (डूँगरपुर)** जिले में सितम्बर माह में आयोजित किया जाता है।

23 राजस्थानी भाषा एवं बोलियाँ

1. **राजस्थान के निर्गुण संत कवियों द्वारा रचा हुआ संत साहित्य .....साहित्य का एक बहुत बड़ा भाग है।**
(1) डिंगल (2) अपभ्रंश
(3) संस्कृत (4) पिंगल
उत्तर–(*) **(कनिष्ठ अनुदेशक (CLIT-2024))**

2. **राजस्थानी भाषा के निश्चित साहित्य में चारणों द्वारा कौन–सी भाषा प्रयुक्त की जाती थी?**
(1) मारवाड़ी (2) मारुवणी
(3) पिंगल (4) डिंगल
उत्तर–(4) **(कनिष्ठ अनुदेशक (RAT05-2024))**

3. **राजस्थान की भाषा के लिए सर्वप्रथम 'राजस्थानी' शब्द का प्रयोग किसने किया था?**
(1) जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन (2) विजयदान देथा
(3) कर्नल जेम्स टॉड (4) एल. सी. टेसीटोरी
उत्तर–(1) **(कनिष्ठ अनुदेशक (ESR-2024))**

4. **थली, धातकी (ढ़टकी), देवड़ावाटी किसकी उप–बोलियाँ हैं?** **(वरिष्ठ अध्यापक जीके(संस्कृत विभाग)2024)**
(1) मारवाड़ी (2) बागड़ी
(3) हाड़ौती (4) मेवाती

व्याख्या–(1) मारवाड़ी की उपबोलियाँ– मेवाड़ी, बागड़ी, शेखावाटी, बीकानेरी, थली, **ढ़टकी,** ढ़ाटी, खैराड़ी, नागौरी, गोड़वाड़ी, देवड़ावाटी, सिरोही।

5. **डॉ. ग्रीयर्सन ने राजस्थानी बोलियों को कितने मुख्य समूहों में विभाजित किया है?** **(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) 5 (2) 2
(3) 3 (4) 4

व्याख्या–(1) जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने राजस्थानी बोलियों को **5 भागों** में बांटा है जो निम्न प्रकार है–
पश्चिमी राजस्थानी की बोलियाँ– मारवाड़ी, मेवाड़ी, ढ़टकी, बीकानेरी, बागड़ी, शेखावाटी, देवडावाटी, गोड़वाटी, खैराड़ी।
दक्षिणी राजस्थानी– निमाड़ी।
उत्तरी पूर्वी राजस्थानी– मेवाती, अहीरवाटी।
मध्य पूर्वी राजस्थानी– ढूँढाड़ी, तोरावाटी, राजावाटी, अजमेर जैपुरी, हाड़ौती, किशनगढ़ी, काठेड़ी, नागरचोल।
दक्षिणी पूर्वी राजस्थानी– रांगड़ी व सौंधवाड़ी।

6. **राजस्थानी भाषा का विकास किस 'अपभ्रंश' भाषा से नहीं हुआ है?** **(पशु परिचर (S-6) 2024)**
(1) मागधी अपभ्रंश (2) शौरसेनी अपभ्रंश
(3) नागर अपभ्रंश (4) मारू गुर्जर अपभ्रंश

व्याख्या–(1) राजस्थानी भाषा के विकास के सन्दर्भ में **तीन अपभ्रंश भाषाओं** का उल्लेख किया जाता है तथा प्रत्येक विद्वान अपने मतानुसार अपभ्रंश का उल्लेख करता है, जिसमें **'शौरसेनी अपभ्रंश'**, **नागर अपभ्रंश'** तथा **'मरूगुर्जरी अपभ्रंश'** का उल्लेख किया जाता है। इन सब में 'मरूगुर्जरी अपभ्रंश' का मत अधिक उचित लगता है क्योंकि **'मरूगुर्जरी अपभ्रंश'** से ही मरूभाषा (राजस्थानी), तथा गुर्जरी से गुजराती भाषा का विकास हुआ है।

7. **राजस्थान के चूरू क्षेत्र में कौन–सी बोली जाती है? निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनेः**
(1) हाड़ौती (2) वागड़ी
(3) मालवी (4) शेखावाटी
उत्तर–(4) **(पशु परिचर (S-5) 2024)**

8. **राजस्थान के कोटा, बूंदी, झालावाड़ और बाराँ क्षेत्र में कौन–सी बोली बोली जाती है?** **(पशु परिचर (S-5) 2024)**
(1) मालवी (2) मेवाती
(3) ढूंढाड़ी (4) हाड़ौती

व्याख्या–(4) **(पशु परिचर (S-3) 2024)**
हाड़ौती बोली **कोटा, बूँदी** (इन्द्रगढ व नैनवा तहसीलों के अलावा), **झालावाड़, बारां** (शाहबाद व किशनगंज तहसीलों के अलावा) में बोली जाती है। इसका निर्माण **मारवाड़ी और गुजराती** भाषाओं के मिश्रण से हुआ है।

9. **निम्नलिखित में से किसने सर्वप्रथम 1912 में भारतीय भाषा सर्वेक्षण में राजस्थान की भाषा के लिए 'राजस्थानी' शब्द का प्रयोग किया था?** **(पशु परिचर (S-4) 2024)**
(1) जॉर्ज थामस (2) जॉर्ज अब्राहम गियर्सन
(3) जॉर्ज हेलेंस्की (4) जॉर्ज फर्नाडिस
(कृषि पर्यवेक्षक–2019) (LSA- 2022) (CET 10+2 (S-2) 2024)

व्याख्या–(2) राजस्थान की भाषा के लिए **'राजस्थानी'** शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग **जॉर्ज अब्राहिम ग्रियर्सन** ने 1912 में अपनी पुस्तक **'लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया'** में किया ।

10. **कौन सी बोली, चुरू, झुंझुनूं, हनुमानगढ़, सूरतगढ़ और गंगानगर क्षेत्र में बोली जाती है? (निम्न में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें:)** **(CET 10+2 (S-4) 2024)**
(1) मेवाड़ी (2) शेखावाटी
(3) मारवाड़ी (4) मालवी
उत्तर–(2) **(पशु परिचर (S-2) 2024)**

24 राजस्थान के प्रमुख साहित्यकार

1. **'पश्चिमी भारत की यात्रा' नामक ग्रंथ के लेखक कौन थे?**
(1) सूर्यमल्ल मिश्रण मिसण (2) गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
(3) कर्नल जेम्स टॉड (4) मुहणोत नैणसी
(जेल प्रहरी P-6 2017)(कनिष्ठ अनुदेशक (MD-2024))

व्याख्या–(3) कर्नल टॉड का जन्म 20 मार्च, 1782 ई. को **इस्लिंगटन** (इंग्लैड) में हुआ था। इन्हें **घोड़े वाले बाबा/ राजस्थान के इतिहास का जनक/ राजस्थान के इतिहास के भीष्म पितामह** (जी.एच.ओझा द्वारा दी गई उपमा) कहा जाता है। कर्नल जेम्स टॉड की **दूसरी पुस्तक** 1839 ई. में **'ट्रेवल्स इन वेस्टर्न इण्डिया'** (पश्चिमी भारत की यात्रा) प्रकाशित हुई, जिसे टॉड की पत्नी **जूलिया क्लटरबक** ने प्रकाशित करवाया था। यह पुस्तक श्रीमती **विलियम हंटर** को समर्पित की गई।

2. **'वेलि किसन रूकमणि री' के लेखक कौन थे?**
(1) कन्हैयालाल सेठिया (2) नरोत्तम दास
(3) पृथ्वीराज राठौड़ (4) माधोदास दधवाड़िया
(REET L- 1 2023)(कनिष्ठ अनुदेशक (ड्राफ्टमैन) 2025)
(कनिष्ठ अनु. मैकेनिक. डीजल इंजन–2019) (ACF- 2013)

व्याख्या–(3) वेली क्रिसन रूकमणि री (डिंगल शैली में, भाषा–उत्तरी मारवाड़ी) की रचना पृथ्वीराज राठौड़ ने **गागरोन दुर्ग** में रहकर की थी। यह **शृंगार रस** प्रधान ग्रन्थ है। इसमें श्री कृष्ण व रूकमणि के विवाह की कथा वर्णित है। **'वेली क्रिसन रूकमणि री'** को प्रकाश में लाने का श्रेय एल.पी. **टेस्सीटोरी** को है। दुरसा आढ़ा ने इसे **पंचम वेद, 19वाँ पुराण** कहा है। कर्नल टॉड ने इसकी तुलना **दस हजार घोड़ों के बल** से की।

3. **मुँहणोत नैणसी की किस रचना की तुलना 'आइन–ए–अकबरी' से की जाती है?**
(A) नैणसी री ख्यात (B) मारवाड़ राज्य री ख्यात
(C) राठौड़ री विगत (D) मारवाड़ रा परगना री विगत
उत्तर–(D) **(कनिष्ठ अनुदेशक (मेंटेनेंस ट्रेड) 2025)**

4. **'बातां री फुलवारी' (राजस्थान लोककथाओं का संग्रह) किसके द्वारा लिखी गई है?** **(LDC 1st Paper -2024)**
(1) श्री लाल (2) मालचन्द तिवारी
(3) विजयदान देथा (4) लक्ष्मी कुमारी
(ACF- 2013)(पशु परिचर (S-2) 2024)
(लवण निरीक्षक–2019)(कृषि पर्यवेक्षक–2021)

उत्तर–(3) विजयदान देथा की पुस्तक **बातां री फूलवारी** (लोक कथा संग्रह) **14 खंडों** में प्रकाशित है। इसके 10वें खण्ड को 1974 में केन्द्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।

5. **मुंशी देवी प्रसाद ने किसे राजपूताने का 'अबुल फजल' कहा है?** **(Junior Instructor (Workshop) 19.11.2024)**
(फायरमैन सीधी भर्ती 2022)
(1) निहाल चंद (2) सूर्यमल्ल मिश्रण (मीसण)
(3) मुहणोत नैणसी (4) दयालदास

व्याख्या–(3) मुंशी देवीप्रसाद ने मुहणोत नैणसी को **'राजपूताने का अबुल फजल'** तथा बीकानेर के शासक रायसिंह को **'राजपूताने का कर्ण'** की संज्ञा दी।

6. **निम्नलिखित में से दयाल दास की रचना/रचनाएँ कौनसी है/हैं?** **(वरिष्ठ अध्यापक जीके (संस्कृत विभाग) 2024)**
(A) बीकानेर रे राठौड़ो री ख्यात
(B) देश दर्पण (C) आर्याख्यान कल्पद्रुम
कूट– (1) A, B और C (2) A और C
(3) केवल A (4) केवल B

व्याख्या–(1) दयालदास की रचनाएँ– दयालदास री ख्यात, देश दर्पण, आर्याख्यान कल्पद्रुम, बीकानेर के पट्टा रै गांवाँ री विगत, सुजस बावनी, पंवार वंश दर्पण।

7. **सूची I को सूची II में सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए–**
(पुस्तक) **(लेखक)** **(प्रोग्रामर भर्ती 2024)**
A. संगीत राज i. कृष्णानन्द व्यास
B. राग मंजरी ii. भावभट्ट
C. अनूप विलास iii. पुण्डरीक विट्ठल
D. राग कल्पद्रुम iv. महाराणा कुम्भा
उत्तर– A-(iv), B-(iii), C-(ii), D-(i)

8. **मुहणोत नैणसी को राजपुताने का अबुल फजल किसने कहा है?** **(अनुसंधान अधिकारी–2024)**
(1) रतन सिंह (2) मुंशी देवी प्रसाद
(3) जसवन्त सिंह (4) गज सिंह
उत्तर–(2)

9. **निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए–**
(सहायक सांख्यिकी अधिकारी– 2024)
(लेखक) **(लेखन)**
(A) कान्हा व्यास (i) द्वारदीपिका
(B) नाथा (ii) एकलिंग महात्म्य
(C) गोविन्द (iii) कीर्तिस्तंभ प्रशस्ति
(D) अत्रि एवं महेश (iv) वास्तुमञ्जरी
उत्तर– A-(ii), B-(iv), C-(i), D-(iii)

धींधवाल पब्लिकेशन

25 राजस्थान में साहित्य एवं प्रमुख पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ

1. 'खुमाण रासो' का रचनाकार कौन था?
(JSA Ballistic-2019)(कनिष्ठ अनुदेशक(सोलर टेक्नीशियन) 2025)
(1) जोधराज (2) ईसरदास
(3) जाचिक जीवण (4) दलपत

व्याख्या–(4) खुमाण रासो (पिंगल) के रचनाकार **दलपत विजय** है। इसमें बप्पा रावल से **महाराणा राजसिंह** तक के मेवाड़ राजाओं का वर्णन है। यह रासो हल्दीघाटी के युद्ध के समय **प्रताप–शक्तिसिंह** मिलन व महाराणा अमरसिंह के शासनकाल (1597–1620 ई.) के दौरान **मेवाड़–मुगल** सम्बन्धों पर प्रकाश डालता है।

2. उत्तर–पूर्वी राजस्थान को 'मेवात' की संज्ञा सर्वप्रथम फारसी लेखक द्वारा दी गई?
(1) बरनी (2) अलबरूनी
(3) फैजी (4) मिनहास उस सिराज
उत्तर–(4) **(कनिष्ठ अनुदेशक (मेंटेनेंस ट्रेड) 2025)**

3. 'एक बीनणी दो बीन उपन्यास के लेखक कौन हैं ?
(1) हरीश भदानी (2) चन्द्र प्रकाश देवल
(3) नथमल जोशी (4) अन्नाराम सुदामा
उत्तर–(3) **(कनिष्ठ अनुदेशक (MD-2024))**

4. वह काव्य ग्रंथ, जो किसी राजा की महानता, उसकी विजय, युद्ध और वीरता का वर्णन करता है, कहलाता है:– **(पशु परिचर (S-4) 2024)(पशु परिचर (S-6) 2024)**
निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(1) प्रकास (2) वेली
(3) विगट (4) रासो
उत्तर–(4) **(CET 10+2 (S-6) 2024)**

5. राजस्थानी साहित्य के किस विधा में कहानी कही और सुनी जाती है? **(पशु परिचर (S-5) 2024)**
निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(1) विगत (2) झमाल
(3) वात (4) पार्ची
उत्तर–(3)

6. 'राने जगपत रा मरस्या' किसके मृत्यु का शोक प्रकट करने के लिए लिखा गया? **(पशु परिचर (S-5) 2024)**
(1) राव इन्द्र सिंह (2) महाराणा कुम्भा
(3) महाराणा जगत सिंह (4) संत नामदेव जी
उत्तर–(3) **(महिला पर्यवेक्षक–2024)**
(CET Graduation (S-1)-2024)

7. राजपूताना के रियासती आंदोलन के दौरान प्रसिद्ध लोकगायक गायिका कौन था/थी?
(1) गणेशी लाल व्यास (2) गणा बाई
(3) चंदबरदाई (4) पी. के. मिश्रा

व्याख्या–(1) **(पशु परिचर (S-4) 2024)**
गणेशीलाल व्यास उस्ताद– साम्यवादी विचारधारा के समर्थक गणेशीलाल व्यास का जन्म **जोधपुर** में 1904 ई. में हुआ। ये क्रांतिकारी थे और आजादी से पहले कई बार जेल भी गए। इनकी कविताएँ **'जनकवि उस्ताद'** के नाम से छपती थी। इनकी कविताएँ– जाग रणबंका सिपाही, माथा देणा पड़सी मुलक नै मोट्यारां, परण्या डरै मती, म्है आया अकल बताबा नै, आजादी रो उतारो, नेतावां री निसरमाई, भूल करी जननायक भारी, आ कैडी आजादी प्रमुख हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान प्रकाशित इनकी गीत पुस्तिकाएँ गरीबों की आवाज, बेकसों की आवाज, इंकिलाबे तराने प्रशासन ने जब्त कर ली थी।

8. संतों का जीवन वृतांत जो कि राजस्थानी भाषा में काव्य रूप में उपलब्ध है, कहा जाता है: **(पशु परिचर (S-3) 2024)**
(1) मरस्या (2) वात
(3) पारची (परची) (4) प्रकास
उत्तर–(3) **(CET Graduation (S-4)-2024)**
(CET 10+2 (S-2) 2024)(पशु परिचर (S-1) 2024)

9. सोरठा छंद में गद्य और पद्य किस राजस्थानी शैली में लिखे गए थे? **(पशु परिचर (S-3) 2024)**
(1) रूपक (2) साखी (3) दवावैत (4) वात
उत्तर–(2)

10. भक्ति काल का राजस्थानी साहित्य मुख्यतः ..... के मध्य लिखा गया। **(पशु परिचर (S-3) 2024)**
(1) 1850 से वर्तमान समय (2) 1050–1450 ए.डी.
(3) 1450–1650 ए.डी. (4) 1650–1850 ए.डी.
उत्तर–(3)

प्राचीन काल	वीरगाथा काल	1050 से 1450 ई.
पूर्व मध्य काल	भक्ति काल	1450 से 1650 ई.
उत्तर मध्यकाल	शृंगार, रीति एवं नीतिपरक काल	1650 से 1850 ई.
आधुनिक काल	विविध विषयों एवं विधाओं से युक्त	1850 से अद्यतन

व्याख्या–(2) तारीख–उल हिन्द **अलबरूनी** द्वारा रचित है। यह रचना **'किताब–उल–हिन्द'** के नाम से भी प्रसिद्ध हैं इसका रचना काल 1030 ई. है। इसमें **1000 ई.**के आसपास राजस्थान की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का वर्णन मिलता है।

131. **निम्नलिखित में से कौन–सा प्रसिद्ध उपन्यास राजस्थान के नथमल जोशी द्वारा नहीं लिखा गया है?**
(1) आभैपटकी (2) धोरां री धोरी
(3) एक बीनणी दो बींद (4) समंद और थार
(राजस्थान पुलिस–2022)

व्याख्या–(4) समंद और थार–**यादवेन्द्र शर्मा चन्द्र**

132. **राजस्थान के किस प्रसिद्ध लेखक द्वारा 'रूप की धूप' नामक पुस्तक लिखी गई है?**
(1) सांवर दइया (2) गुलाब खंडेलवाल
(3) विजयदान देथा (4) अर्जुन देव चरण
उत्तर–(2) **(राजस्थान पुलिस–2022)**

133. **राजस्थानी साहित्य विषयक लेखक एवं उसकी पुस्तक के संबंध में निम्नांकित जोड़ों में से कौनसा एक जोड़ा सही सुमेलित नहीं है? (स्कूल व्याख्याता जीके एवं जीएस–2022)**
(1) दुरसा आढ़ा – विरुद छहतरी
(2) बीठू मेहा – पाबूजी रा छन्द
(3) सांदू माला – झूलणा दीवान श्री प्रतापसिंह जी रा
(4) ईसर दास – सूरज प्रकाश

व्याख्या–(4) सूरज प्रकाश नामक पुस्तक की रचना **करणीदान कविया** द्वारा की गई है। ये जोधपुर महाराजा **अभयसिंह** के आश्रित कवि थे। यह **डिंगल काव्य** राठौड़ों की **13 शाखाओं** का उल्लेख करता है।

134. **निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है?**
(1) नरपति नाल्ह– बीसलदेव रासो
(2) गिरधर आसिया– सगत रासो
(3) दौलत विजय– खुमाण रासो
(4) कविया गोपालदास–क्यामखाँ रासो
(स्कूल व्याख्याता इतिहास–2022)

व्याख्या–(4) कायम खाँ रासो– **जान कवि**

135. **सदाशिव भट्ट का पाकशास्त्र पर लिखित ग्रंथ 'राय विनोद' किस राज्य से संबंधित है?**
(1) मेवाड़ (2) मारवाड़
(3) आमेर (4) बीकानेर
(व्याख्याता आयुर्वेद 13.11.2021)

व्याख्या–(4) राजविनोद **सदाशिव भट्ट** द्वारा रचित है। यह ग्रन्थ बीकानेर के शासक **कल्याणमल** के आदेश पर रचित है। इसमें बीकानेर राज्य की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिस्थितियों का वर्णन है।

136. **सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :** **(Agri. Officer- 2021)**

(संगीतज्ञ)	(रचना)
(A) चाँद खाँ	(i) रसमञ्जरी
(B) पुण्डरीक विट्ठल	(ii) रागचन्द्रिका
(C) देवर्षि भट्ट	(iii) संगीतसार
(D) द्वारकानाथ	(iv) स्वर–सागर

उत्तर– A-IV B- I C- III D-II

137. **'प्रेम विनोद' नामक ग्रंथ किसकी रचना है?**
(1) अजबदे पंवार (2) हंसाबाई
(3) छत्र कुंवारी (4) किरण देवी
(Agri. Officer- 2021)

व्याख्या–(3) छत्र कुंवरी का संबंध 'निम्बार्क सम्प्रदाय' से था। इन्होंने 'प्रेम विनोद' नामक एक ग्रंथ लिखा।

138. **पिंगल मिश्रित की रचना है?** **(Asst. Professor -2021 (Hindi)**
(1) मुँहणोत नैणसी री ख्यात (2) पृथ्वीराज रासो
(3) अचलदास खींची री वचनिका (4) पाबूजी रा दूहा

व्याख्या–(2) पृथ्वीराज रासो की रचना **चन्दबरदाई** द्वारा की गई। यह **वीर रस** की प्रधानता वाला महाकाव्य है। इस ग्रन्थ में **राजपूतों की उत्पति** आबू के **अग्निकुण्ड** से बताई गई है। इसमें पृथ्वीराज तृतीय के जीवन–चरित्र व युद्धों का वर्णन मिलता है इस अपूर्ण रासो को **जल्हण** ने पूरा किया था।

139. **'भाषाभूषण' के रचनाकार हैं?**
(1) भूषण (2) मतिराम
(3) जसवंतसिंह (4) पद्माकर
(Asst. Professor -2021 (Hindi)

व्याख्या–(3) जसवंत सिंह प्रथम (जोधपुर के शासक) **की प्रमुख रचनाएँ– भाषा भूषण** (ब्रज भाषा), अपरोक्ष सिद्धान्त (अलंकार ग्रन्थ), **सिद्धान्तसार,** सिद्धान्तबोध, अनुभव प्रकाश, **आन्नद विलास**, गीता महात्म्य

140. **निम्नलिखित में से 'गौरा बादल पद्मिनी चौपाई' के लेखक कौन थे–** **(Asst. Professor -2021 (History)**
(1) काका सूर (2) कवि मान
(3) हेमरतन (4) करनीदान

व्याख्या–(3) इसमें राजपूतों की **युद्ध प्रणाली** के बारे में जानकारी मिलती है।

141. **निम्नलिखित में से कौन–सा (ग्रन्थ–लेखक) सुमेलित नहीं है?** **(संगणक–2021)**

व्याख्या–(3) राजवल्लभ मण्डन की रचना **मण्डन** द्वारा की गई है जिसमें मूर्तिकला, मूर्ति निर्माण संबंधी व आवास, गृह, नगर रचना की जानकारी मिलती है।

232. **'जुगलमैन चरित्र' की रचना किसने की? (LSA (TSP) 2016)**
(1) दादू (2) रामप्रसाद
(3) रामचरण (4) कृष्णदास पयहारी

व्याख्या–(4) कृष्ण दास पयहारी संत रामानंदाचार्य जी के **12 शिष्यों** में से एक थे। ये **गलताजी** (जयपुर) धाम के गद्दी के संस्थापक और पहले महन्त थे। इनके द्वारा **ब्रह्मगीता, प्रेमतत्व निरूपन, जुगलमैन चरित्र** नामक साहित्यिक ग्रंथों की रचना की गई।

233. **निम्नलिखित (नाम–संगीत ग्रंथ) में से कौन सा युग्म सुमेलित है? (RAS Pre.- 2016)**
(1) पुंडरीक विट्ठल–रागमाला (2) पंडित भावभट्ट– संगीतराज
(3) कुम्भा– राग कल्पद्रुम (4) उस्ताद चाँद खान– राग चंद्रिका

व्याख्या–(1) संगीतराज– **महाराणा कुम्भा**
राग कल्पद्रुम– **कृष्णानंद व्यास**
राग चंद्रिका– **द्वारकानाथ भट्ट**

234. **राजस्थानी साहित्य की एक प्रारंभिक रचना 'हंसावली' रचित है। (RAS Pre.- 2016)**
(1) हेमचन्द्र द्वारा (2) असाईत द्वारा
(3) श्रीधर व्यास द्वारा (4) ईसरदास द्वारा

उत्तरः–(2)

235. **वीरवांण का रचनाकार कौन है? (Ass. Jailor- 2016)**
(1) बादर ढाढी (2) दुरसा आढ़ा
(3) किसना आढ़ा (4) हेमरत्न सूरी

उत्तरः–(1)

236. **पुस्तक 'रणखार' के लेखक हैं : (Clerk Grade II - 2016)**
(1) नंद भारद्वाज (2) मालचंद तिवाड़ी
(3) जितेंद्र कुमार सोनी (4) मधु आचार्य 'आशावादी'

उत्तर–(3)

237. **'ढ़ोला–मारू–री–बात' किसके द्वारा लिखी गई थी?**
(1) नयनचन्द्र सूरी (2) खुशाल चन्द्र
(3) बप्पा भट्टी सूरी (4) शृँगारदेवी
(Librarian Grade-III 2016)

व्याख्या–(2) ढ़ोला–मारू–री–बात– **खुशाल चन्द्र**
ढ़ोला–मारू–रा–दोहा– **कवि कल्लोल**
ढ़ोला–मारू–री–चौपाई– **कुशल लाभ**

238. **गलत युग्म को चुनिएः (कॉलेज व्याख्याता जीके–2016)**
(1) बादली–चन्द्र प्रकाश देवल (2) राधा– सत्य प्रकाश जोशी
(3) मेघमाल–सुमेर सिंह शेखावत (4) बाथां में भूगोल–हरीश भादानी

व्याख्या–(1) 'बादली' **चन्द्रसिंह बिरकाली** की रचना है।

239. **'हम्मीर महाकाव्य' का लेखक कौन था?**
(1) कविराजा श्यामलदास (2) नयनचन्द्र सूरि
(3) जी. एच. ओझा (4) नैणसी
उत्तर–(2) **(JEN Agriculture 2015)**

240. **सुमेलित कीजियेः (RAS Pre.- 2015)**

पुस्तक	लेखक
A. हम्मिरायण	(i) बादर
B. वीरमायण	(ii) मंछाराम सेवग
C. रघुनाथ रूपक	(iii) दुरसा आढ़ा
D. किरतार बावणी	(iv) भाण्डऊ व्यास

उत्तर– A- iv B- i C- ii D- iii

241. **सवाई प्रताप सिंह किस ग्रंथ के लेखक है?**
(1) संगीत राग कल्पद्रुम (2) भजनामृत
(3) संगीत सार (4) संगीत दर्पण
उत्तर–(3) **(स्कूल व्याख्याता संगीत–2015)**

व्याख्या– सवाई प्रताप सिंह (जयपुर) **की प्रमुख रचनाएँ–** शृंगार मंजरी, वैराग्यं मंजरी, **ब्रजनिधि ग्रन्थावली,** संगीत सार।

242. **'अनूप संगीत रत्नाकर' के ग्रंथकार कौन थे?**
(1) श्री निवास (2) भावभट्ट
(3) अनूप सिंह (4) प्रताप सिंह
(स्कूल व्याख्याता संगीत–2015)

व्याख्या–(2) भावभट्ट की प्रमुख रचनाएँ–अनूप संगीत विलास, संगीत अनूपांकुश, **अनूप संगीत रत्नाकर,** अनूप संगीत वर्तमान, अनूप रागमाला, गमन मंजरी टीका, मुरली प्रकाश।

243. **निम्न लिखित रचनाकारों को उनकी साहित्यिक रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए– (महिला पर्यवेक्षक–2015)**

(a) नाभादास	(i) कायम रासो
(b) जाड़ा चारण	(ii) भक्त माल
(c) जान कवि	(iii) ध्यान मंजरी
(d) अग्रदास	(iv) शार्दुल परमार

उत्तर– a-(ii), b-(iv), c-(i), d-(iii)

244. **'गलालैंग' वीर काव्य की स्थापना किसने की?**
(1) कन्हैयालाल सेठिया (2) मुरारिदान
(3) केशवदास (4) अमरनाथ जोगी
(महिला पर्यवेक्षक–2015)

26 राजस्थान की साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्थाएँ

1. **'भारतीय लोक कला मण्डल संस्थान' कहाँ स्थित है?**
(1) उदयपुर (2) जोधपुर
(3) टोंक (4) जयपुर
(REET L- 1 2023)(CET Graduation- 2023)

व्याख्या–(1) भारतीय लोक कला मण्डल की स्थापना **22 फरवरी, 1952** में श्री **देवीलाल सामर** द्वारा उदयपुर में की गई। यह संस्था विभिन्न लोक कलाओं, कठपुतली नृत्य के प्रचार–प्रसार व संरक्षण का कार्य करती है, यहाँ एक लोक–संस्कृति संग्रहालय भी संचालित है।

2. **'लोक कला मन्दिर– कहाँ स्थित है? (CET Gradu.- 2023)**
(1) जोधपुर (2) कोटा
(3) उदयपुर (4) अजमेर
उत्तर–(3) **(बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक–2022)**

3. **राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट्स की स्थापना किसने की?**
(1) सवाई जय सिंह
(2) महाराजा सवाई राम सिंह II
(3) मानसिंह I
(4) मिर्जा राजा जय सिंह
(CET Graduation- 2023)

व्याख्या–(2) जयपुर के शासक महाराजा **रामसिंह द्वितीय** द्वारा 1857 में इस संस्था की स्थापना **'मदरसा–ए–हुनरी'** के नाम से की गई थी। जिसे बाद में **महाराजा स्कूल ऑफ आर्ट एंड क्राफ्टस्** के नाम से जाना जाने लगा।

4. **'रूपायन संस्थान' कहाँ स्थित है? (CET Graduation- 2023)**
(1) बोरुन्दा (2) बगरू
(3) बदनोर (4) बून्दी

व्याख्या–(1) रूपायन संस्थान की स्थापना **कोमल कोठारी** ने 1960 में बोरूंदा (जोधपुर) में की थी, यहाँ से **'लोक संस्कृति'** व **'मरुचक्र'** नामक पत्रिका निकलती हैं। यह संस्था **पश्चिमी राजस्थान** की लोक कलाओं व लोक संस्कृति व लोक कलाकारों के उत्थान का कार्य करती है।

5. **कलाओं के प्रोत्साहन के लिए, 1857 ई. में, 'महाराजा स्कूल ऑफ आर्ट्स एण्ड क्राफ्ट्स' की स्थापना की थी–**
(1) सवाई जय सिंह ने (2) सवाई राम सिंह II ने
(3) सवाई माधो सिंह I ने (4) सवाई प्रताप सिंह ने
उत्तर–(2) **(REET L2- 2022)(CET Graduation- 2023)**

6. **सुमेलित कीजिए–** **(वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक–2022)**

सूची–1	**सूची–2**
(A) राजस्थान संगीत नाटक अकादमी	(1) टोंक
(B) अरबी फारसी शोध संस्थान	(2) जयपुर
(C) रविन्द्र मंच	(3) जोधपुर
(D) भारतीय लोककला मंडल	(4) उदयपुर

सही कूट का चयन कीजिए–
(1) A-3, B-1, C-2, D-4 (2) A-1, B-2, C-3, D-4
(3) A-2, B-3, C-1, D-4 (4) A-4, B-3, C-2, D-1
उत्तर–(1)

7. **उदयपुर में भारतीय लोक कला मण्डल की स्थापना .... ने की थी।** **(वनपाल–2022)**
(1) देवीलाल सामर (2) कोमल कोठारी
(3) करना भील (4) जनार्दनराय नागर
उत्तर–(1)

8. **राजस्थान संगीत नाटक अकादमी कहाँ स्थित है?**
(1) जयपुर (2) बीकानेर
(3) अजमेर (4) जोधपुर
(वनरक्षक–2022)

व्याख्या–(4) संगीत नाटक अकादमी की स्थापना **1957** को **जोधपुर** में की गई। राजस्थान में संगीत, नृत्य व नाट्य विधाओं के प्रचार–प्रसार व संरक्षण का कार्य करती है। यहाँ से **'रंगयोग'** नामक एक पत्रिका निकलती है।

9. **राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर द्वारा कौनसी पत्रिका व प्रकाशन किया जाता हैं?**
(1) जागती जोत (2) मधुमती
(3) परम्परा (4) मरू भारती
(Asst. Agri Officer- 2022)

व्याख्या–(1) राजस्थान भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी (बीकानेर) का सर्वोच्च पुरस्कार **'सूर्यमल्ल मिश्रण शिखर पुरस्कार'** है। यहाँ से **'जागती–जोत'** नामक **मासिक** पत्रिका निकलती है।

10. **'जागती जोत' पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है–**
(1) राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर
(2) राजस्थानी साहित्य अकादमी, उदयपुर
(3) राजस्थानी हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
(4) राजस्थानी ललित कला अकादमी, जयपुर
उत्तर–(1) **(JEN Agriculture- 2022)**

27 राजस्थान के प्रमुख संग्रहालय

1. **निम्नलिखित में से किसे राजस्थान के प्राचीनतम संग्रहालय के रूप में जाना जाता है?** **(CET 10+2 (S-4) 2024)**
(1) आम्रपाली (2) अल्बर्ट हॉल
(3) क्रिस्टल गैलरी (4) आहड़

व्याख्या–(2) केन्द्रीय संग्रहालय– **अल्बर्ट हॉल** (जयपुर), इस संग्रहालय के भवन की नींव का पत्थर **महाराजा रामसिंह द्वितीय** के शासनकाल में 1876 ई. में **प्रिंस अल्बर्ट** ने रखा और उसी के नाम से इस संग्रहालय का नाम 'अल्बर्ट म्यूजियम' रखा। **महाराजा माधोसिंह द्वितीय** के समय 1887 ई. **सर एडवर्ड ब्रेडफोर्ड** ने इसका उद्घाटन कर विधिवत रूप से इसे जनता के लिए खोल दिया।

2. **अजमेर संग्रहालय में प्रदर्शित लिंगोद्भव मूर्ति कहाँ से प्राप्त हुई है?** **(सहायक सांख्यिकी अधिकारी –2024)**
(1) ओसियाँ (2) बुचकला (3) आभानेरी (4) हर्षनाथ

व्याख्या–(4) अजमेर संग्रहालय– यहाँ पर विभिन्न गैलेरियों में बड़ली शिलालेख, नगरी शिलालेख, हरिकेली नाटक के अंश पट्टिकाओं पर, 3000 सिक्कों का भण्डार, काँच के दुर्लभ सिक्के, हर्षनाथ से प्राप्त **लिंगोद्भव महेश्वर**, **बघेरा** से प्राप्त 9वीं से 12वीं शताब्दी की मूर्तियाँ, अढ़ाई दिन के झोंपड़े से प्राप्त सामग्री रखी हैं। वर्तमान में इसे **राजकीय संग्रहालय** के रूप में जाना जाता है।

3. **डीग संग्रहालय के मुख्य संग्रह में शामिल है–**
(1) मौर्य और वाद के काल की मूर्तियां
(2) डीग के महाराजा और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुएं, फर्नीचर आदि
(3) राजस्थान में सिंधु घाटी स्थलों के पुरातात्विक अवशेष
(4) गांधार मूर्तियां
उत्तर–(2) **(क्यूरेटर–2024)**

4. **अगस्त 2015 में राजस्थान के किस जिले में युद्ध संग्रहालय स्थापित किया गया था?** **(Raj. Police K-1 2024)**
(1) सीकर (2) जोधपुर
(3) जैसलमेर (4) बाड़मेर
(REET L2 - 2015)(संगणक–2021)

व्याख्या–(3) जैसलमेर के सैन्य स्टेशन में स्थापित '**जैसलमेर युद्ध संग्रहालय**' का उद्घाटन **24 अगस्त, 2015** को किया गया। इस संग्रहालय में भारतीय वायु सेना द्वारा वर्ष 1971 के भारत–पाक युद्ध के दौरान लोंगेवाला ऑपरेशन में प्रयुक्त हंटर विमान को प्रदर्शित किया गया है।

5. **राजपूताना म्यूजियम, अजमेर की स्थापना कब की गई थी?** **(JEN Agriculture- 2022)**
(1) 1947 ई. (2) 1908 ई. (3) 1938 ई. (4) 1911 ई.

व्याख्या–(2) अजमेर के **मैगजीन दुर्ग** में स्थित इस संग्रहालय का उद्घाटन 19 अक्टूबर, 1908 को राजपुताना के तत्कालीन **एजीजी कॉल्विन** द्वारा किया गया था, तब इसे **'राजपूताना म्युजियम'** के नाम से जाना गया। **गौरीशंकर हीराचन्द ओझा** को इस म्यूजियम का प्रथम क्यूरेटर बनाया गया।

6. **1908 ई. में स्थापित 'राजपूताना म्यूजियम' कहाँ हैं?**
(1) जयपुर (2) उदयपुर (3) अजमेर (4) चित्तौड़गढ़
उत्तर–(3) **(JEN Elect. Diploma- 2022)**

7. **'जिन भद्रसूरी ग्रंथ भण्डार' राजस्थान के किस शहर में स्थित है?** **(स्कूल व्याख्याता जीके एवं जीएस–2022)**
(1) जयपुर (2) जैसलमेर
(3) जालौर (4) जोधपुर
(H.M. प्रवेशिका–2021)

व्याख्या–(2) जिन भद्रसूरी ग्रंथ भण्डार जैसलमेर जिले के **सोनारगढ़ दुर्ग** में स्थित है। जिनभद्रसूरी ज्ञान भण्डार में **प्राचीन** ग्रन्थों का भण्डार है।

8. **पोथीखाना संग्रहालय स्थित है–**
(1) जोधपुर में (2) कोटा में
(3) जैसलमेर में (4) जयपुर में
(JEN Elect. Mech. Digree- 2020)(कृषि पर्यवेक्षक–2021)

व्याख्या–(4) पोथीखाना संग्रहालय की स्थापना **1952 में सवाई मानसिंह द्वितीय** के द्वारा की गई थी।

9. **जयपुर के अल्बर्ट हॉल का उद्घाटन किसके शासनकाल में हुआ था?** **(अन्वेषक–2020)**
(1) महाराजा रामसिंह द्वितीय (2) महाराजा माधोसिंह द्वितीय
(3) सवाई मानसिंह द्वितीय (4) महाराजा जयसिंह तृतीय

व्याख्या–(2) इस संग्रहालय के भवन की नींव का पत्थर **महाराजा रामसिंह द्वितीय** के शासनकाल में 1876 ई. में **प्रिंस अल्बर्ट** ने रखा और उसी के नाम से इस संग्रहालय का नाम 'अल्बर्ट म्यूजियम' रखा। **महाराजा माधोसिंह द्वितीय** के समय 1887 ई. **सर एडवर्ड ब्रेडफोर्ड** ने इसका उद्घाटन कर विधिवत रूप से इसे जनता के लिए खोल दिया। यह राजस्थान का सबसे प्राचीन **संग्रहालय** है।

28 राजस्थानी शब्दावली

1. **बड़ी शेखावटी हवेलियों में मवेशियों को रखे जाने वाली जगह को.....कहते हैं।** **(Asst. Pro.(Art Histoy-I)- 2024)**
(1) बैठक (2) झरोखा
(3) पोल (4) नोहरा

व्याख्या–(4) नोहरा– कच्ची दीवार या कांटेदार बाड़ से घिरा बाड़ा या अहाता, जिसमें घास–फूस, चारा आदि रखा जाता है और मवेशी बाँधे जाते हैं।

2. **'मोकड़ी' क्या है?** **(CET 10+2 2023)**
(1) ऊन की दरियाँ (2) मिट्टी के बर्तन
(3) लकड़ी के खिलौने (4) लाख की चूड़ियाँ

व्याख्या–(4) लाख से बनी चूड़ियों को राजस्थानी भाषा में **'मोकड़ी'** कहा जाता है। जयपुर एवं जोधपुर इस कला के प्रसिद्ध केन्द्र है।

3. **राजस्थानी लोक में पहेली नैं कांई कैयो जावै?**
(1) टपूकड़ा (2) आडी
(3) गिंगरथ (4) वात
(REET L- 2 (SST) 2023)

व्याख्या–(2) पहेली एक **विशेष कला** है, जिसके द्वारा हमारी बौद्धिकता का स्वरूप निखरता है और उसमें एक प्रकार की तीव्रता आती है। राजस्थानी भाषा में पहेली को **'आडी'** कहा जाता है।

4. **लोककथा कैवणियै नै कांई कैयो जावै?**
(1) बातपोस (2) बातेरी (3) कोथ (4) भोपौ
(REET L- 2 (Punjabi) 2023)

व्याख्या–(1) किसी प्रकार की बात या कथा कहने में चतुर या दक्ष व्यक्ति **'बातपोस'** कहलाता है।

5. **जिण भांत फौज में नगारौ चाइजै उणी भांत बात में कांई जरूरी हुवै?** **(REET L- 2 (English) 2023)**
(1) जैकारो (2) हलकारो
(3) हुंकारौ (4) थैकारो

व्याख्या–(3) राजस्थान में किसी बात/कहानी को सुनने के दौरान बीच में हाँ (हूँ–हूँ) भरने की ध्वनि **'हुंकारा'** कहलाता है।

6. **लोक साहित्य में किणरी गिणती नीं हुवै?**
(1) एकांकी (2) पहेलियां
(3) लोकगीत (4) ख्याल या लोकनाटक
(REET L- 2 (Urdu) 2023)

व्याख्या–(1) एकांकी एक **लघु नाटक** होता है, जिसका केवल एक अंक होता है।

7. **राजस्थान की संस्कृति में 'औरण' संबंधित है–**
(1) एक लोक उत्सव
(2) एक विशिष्ट भोजन
(3) एक विशेष आभूषण
(4) पर्यावरण संरक्षण की एक परम्परा
(वरिष्ठ अध्यापक ग्रुप– B - 2023)

व्याख्या–(4) ओरण– किसी लोकदेवी या लोक देवता के मंदिरों के पास छोड़ा गया वनक्षेत्र, जिसमें लकड़ी आदि काटने की मनाही होती है।

8. **'मारदड़ी' क्या था?** **(वरिष्ठ अध्यापक ग्रुप– B - 2023)**
(1) आभूषण (2) गीत
(3) नृत्य (4) खेल

व्याख्या–(4) राजस्थान के पारम्परिक खेल– चरभर, **मार–दड़ी**, दड़ा, रूमाल झपट्टा, **नार–छरी, आइस–पाइस**, गिल्ली–डंडा, **बर्फ–पानी**, आलमजी का आलम कोड़ा, **छुप्पन–छुपाई**, गुलाम लकड़ी, **आँख मिचोली**, अंधा भैंसा, इक्की–दुक्की, **सितोलिया**, **गंजीफा**, किल्ली किल्ली कांटा, लंगड़ी टांग का खेल, घोड़ी कच्ची के पक्की, अन्टे, **कंचे,** गड्ढे, भोरिया, टोल भोरा, जाल झपट, **रस्सी कूद**, **रस्साकस्सी**, पछट्टे, **बोल म्हारी मछली कितो पानी**, लंगड़ी घोड़ी, **चादर छुपाईया**, थिरू बाटी थिरू, **शतरंज**, तांगा दौड़, मोटर दौड़, **मेरी कमर पर कौन बुगला**, जादू मंत्र का तमाशा, रींछ बंदर के तमाशे, कठपूतली का तमाशा आदि।

9. **गंजीफा, चारभर, नार–छरी किसके प्रकार है?**
(1) खेल (2) लोक नाट्य
(3) वाद्य यंत्र (4) परिधान
उत्तर–(1) **(वनपाल–2022)**

10. **'कसूमल' रंग का अर्थ हैं:** **(वनरक्षक–2022)**
(1) लाल रंग (2) काला रंग
(3) नीला रंग (4) पीला रंग

व्याख्या–(1) वैसे तो सभी रंग राजस्थान में प्रयुक्त होते है, पर लाल रंग में जितनी विविधता व जितने प्रकार मिलते है, वह अद्भुत है। इसीलिए तो कहा भी गया है कि **'मारू थारे देश में उपजै तीन रतन, इक ढोला, दूजी मारवण तीजो कसूमल रंग'** (कसूमल अर्थात् लाल)